मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 333
मंगलवार, 23 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

लखनऊ अग्निकांड : 15 जिंदगियां लील गईं लपटें

- अलीगंज के पुरनिया स्थित व्यावसायिक भवन में भीषण आग, गेमिंग जोन और अध्ययन केंद्र में मची चीख-पुकार
- जान बचाने को खिड़कियों और छज्जों से कूदे लोग
- सीएम योगी ने डीजीपी और अपर मुख्य सचिव गृह को मौके पर भेजा, पीएम ने जताया शोक और किया मुआवजे का ऐलान

सुरेश गांधी

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्र के पुरनिया इलाके में सोमवार दोपहर हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। एक बहुमंजिला व्यावसायिक भवन में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। धुएं और आग की लपटों में घिरे लोगों के पास जान बचाने के लिए खिड़कियों और छज्जों से छलांग लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। देर शाम तक राहत एवं बचाव अभियान पूरा होने पर 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई, जबकि कई अन्य घायल होकर अस्पतालों में भर्ती हैं।

हादसे के शुरूआती घंटों में भवन में कोचिंग सेंटर होने की बात सामने आई, लेकिन बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भूतल पर पेट शॉप और पेट क्लीनिक संचालित था, जबकि ऊपरी मंजिल पर गेमिंग जोन और अध्ययन/प्रशिक्षण से जुड़ी गतिविधियां चल रही थीं। आग के वास्तविक कारणों और भवन में सुरक्षा मानकों के पालन की जांच की जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे अचानक धुआं उठना शुरू हुआ। कुछ ही मिनटों में पूरा भवन काले धुएं से भर गया। ऊपर मौजूद युवक-युवतियां मदद के लिए चीखते रहे। कई लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल और छज्जों से छलांग लगा दी। स्थानीय लोग बिना अपनी जान की परवाह किए बचाव कार्य में जुट गए और दमकल के पहुंचने से पहले कई लोगों को बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ और प्रशासन की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। घना धुआं होने के कारण राहत कार्य में कठिनाई आई। दमकल कर्मियों को पीछे की दीवार तोड़कर भीतर प्रवेश करना पड़ा। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया और कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए

राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए तथा पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव (गृह) को घटनास्थल पर भेजकर विस्तृत रिपोर्ट तलब की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि यदि सुरक्षा मानकों में किसी स्तर पर लापरवाही मिली तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी घटनास्थल पहुंचकर बचाव कार्यों की निगरानी की और अस्पतालों में भर्ती घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर और बर्न यूनिट को अलर्ट मोड पर रखा गया, जहां घायलों का उपचार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

यह हादसा एक बार फिर बहुमंजिला व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर गया है। क्या भवन में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण थे? क्या आपातकालीन निकास मार्ग सुरक्षित थे? क्या फायर सेफ्टी ऑडिट समय पर हुआ था? इन सभी बिंदुओं की जांच अब प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। फिलहाल पूरा प्रदेश उन परिवारों के दुख में सहभागी है, जिन्होंने इस दर्दनाक हादसे में अपने अपनों को खो दिया।

खड़ी पिकअप वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, एक महिला समेत 6 मजदूरों की मौत, 21 घायल

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सोमवार को एक बेहद दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा हो गया। छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे मजदूरों से भरी खड़ी एक पिकअप वैन को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भयावह दुर्घटना में एक महिला सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 21 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर तेमनी गांव के पास छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने बताया कि दुर्घटना में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। क्षेत्रीय उप पुलिस अधीक्षक रामेश्वर चौबे ने बताया कि पिकअप वैन सड़क किनारे खड़ी थी और उसका चालक किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था, तभी एक ट्रक ने वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई।

कतर गैस प्लांट में भीषण धमाका, भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत, 66 अन्य घायल

कतर, 22 जून। खाड़ी देश कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन शेरिदा अल-काबी ने सोमवार को बताया कि रास लाफान औद्योगिक सिटी में हुए एक धमाके में भारतीय नागरिकों समेत कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। 'दोहा न्यूज' के अनुसार, कतरएनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अल-काबी ने बताया कि रविवार शाम रास लाफान औद्योगिक सिटी में बरजान स्थानीय गैस सप्लाई संयंत्र में हुए धमाके और उसके बाद लगी आग में 66 लोग घायल हो गए।

अल काबी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान पुष्टि की कि इस घटना में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के 13 लोगों की मौत हो गई। भारतीय मृतकों की सटीक संख्या का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। दोहा में भारतीय

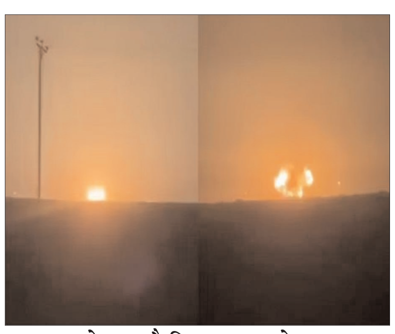

दूतावास ने कहा है कि वह कतर के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है और जिन लोगों की जान गई है या जो घायल हुए हैं, उनके परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी।

दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कल रात रास लाफान औद्योगिक सिटी में हुई दुखद घटना में जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारों के प्रति हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।" स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, घायल लोगों में भारत, कतर, तंजानिया, पाकिस्तान, गिनी, नेपाल, बांग्लादेश, केन्या और नाइजीरिया समेत कई देशों के लोग शामिल हैं।

इससे पहले, भारतीय दूतावास ने इस "दुर्भाग्यपूर्ण घटना" पर "गहरी चिंता" जताई थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कुछ लोग लापता हैं। दूतावास ने कहा, "इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में, कतर में भारत का दूतावास और पूरा भारतीय समुदाय कतर की सरकार और वहां के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। हम घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं और लापता लोगों के सुरक्षित होने की उम्मीद और प्रार्थना करते हैं।"

पवन खेड़ा ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी चेयरपर्सन पवन खेड़ा ने सोमवार को महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर के तहत दल-बदल की चर्चा को ऑपरेशन कीचड़ करार दिया और शिवसेना में हुई बगावत को लेकर BJP पर सवाल उठाए। पवन खेड़ा ने BJP के इरादों पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में 240 सीटों पर सिमट जाने के बाद सत्ताधारी पार्टी सांसदों को चुराने का काम कर रही है। खेड़ा ने कहा कि यह 'ऑपरेशन कीचड़' है क्योंकि इन निर्वाचन क्षेत्रों में कमल नहीं खिल सका, लेकिन हमारा सवाल यह है कि वे (पीएम नरेंद्र मोदी) इस बात से इतने आहत क्यों हैं कि वे 400 के बजाय 240 सीटों पर ही रुक गए, कि अब वे TMC और शिवसेना जैसी दूसरी पार्टियों से सांसदों को चुराने में लगे हैं? क्यों? इरादा क्या है? क्या असल में संविधान बदलना चाहते हैं? इस डकैती के पीछे क्या मकसद है?

ऐसा तब हुआ जब 18 जून को सेना (यूबीटी) के छह सांसदों ने विद्रोह कर दिया और संसदीय दल की बैठक में भाग नहीं लिया। यवतमाल-वाशिम के सांसद संजय देशमुख, हिंगोली के सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर, परभणी के सांसद संजय जाधव, शिरडी के सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे, मुंबई उत्तर पूर्व के सांसद संजय दीना पाटिल और उस्मानाबाद के सांसद ओमप्रकाश राजे निंबालकर वे थे जो सेना (यूबीटी) संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की संभावना है।

आज इससे पहले, आदित्य ठाकरे ने बागी नेताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के बजाय निजी लालच को प्राथमिकता दी। पर एक पोस्ट में, ठाकरे ने दावा किया कि कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी के समर्थन से चुने गए इन विधायकों ने उन विचारधाराओं को छोड़ दिया है, जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें वोट मिला था।

आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत

रांची, 22 जून। झारखंड में पिछले 24 घंटों के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और 10 साल की एक बच्ची शामिल है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूंटी जिले में चार और रामगढ़ में दो लोगों की मौत हुई जबकि लोहरदगा, देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज और गिरिडीह जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। खूंटी जिले में रविवार को अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि खूंटी जिले के मारंगहाडा थाना क्षेत्र के देव मैदान के पास बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जब वे पास के जंगल की ओर जा रहे थे। मृतकों में 16 साल का एक लड़का और 42 साल का एक व्यक्ति, सुखराम मुंडा शामिल थे। पुलिस के अनुसार एक अन्य घटना में, कर्रा थाना क्षेत्र के

पात्राटोली गांव में क्रिकेट खेलते समय बिजली गिरने से 22 साल के प्रेम बखाला की मौत हो गई और तीन अन्य लोग झुलस गए। घायलों को इलाज के लिए रांची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लोहरदगा जिले के कैरो गांव में सोमवार को बिजली गिरने से 35 साल की महिला रेखा देवी की मौत हो गई। बरहरवा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी नितिन खंडेलवाल ने बताया, "साहिबगंज जिले में बिजली गिरने से 10 साल की बच्ची पोरायनी हेम्ब्रम की मौत हो गई। बच्ची उस समय एक पेड़ के नीचे खेल रही थी। देवघर में, एक पेड़ के नीचे शरण लेने के दौरान बिजली गिरने से मुंद्रिका देवी (30) की मौत हो गई। यह घटना मोहनपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बसबुटिया गांव में हुई।

अधिकारियों के अनुसार रामगढ़ जिले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। 49 वर्षीय महिला मानसी देवी की खेत में काम करते समय बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं एक अन्य घटना में गोला प्रखंड के डुंडीगाछी गांव के 68 वर्षीय व्यक्ति की बिजली गिरने से मौत हो गई।

अपनी ही पार्टी के कार्यकताओं पर भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 22 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन पार्टी कार्यकताओं की आलोचना की, जिन्होंने पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के शपथ ग्रहण समारोह में कामकाज में बाधा डाली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में 'डीके-डीके' के नारों से साफ तौर पर नाराज होकर, वरिष्ठ नेता ने कार्यकताओं को फटकार लगाई। उन्होंने उन्हें बेकार लोग कहा और याद दिलाया कि यह कार्यक्रम पार्टी का था, न कि किसी एक नेता पर केंद्रित। खड़गे ने तेवर दिखाते हुए कहा कि चुप हो जाओ! बैठ जाओ। ऐसा लग रहा है जैसे पूरा देश तुम्हारे हाथ में आ गया हो। बेकार लोग! इस हंगामे के एक वीडियो में शिवकुमार भीड़ को शांत करने की कोशिश करते दिखे; मुख्यमंत्री खड़े हुए और उन्होंने लोगों से चुपचाप बैठने का इशारा किया। खड़गे ने आगे कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की बैठक है। यह किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें सभी लोग पार्टी को मजबूत और एकजुट करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। अगर एक व्यक्ति एक नाम चिल्लाता रहे और दूसरा कोई और नाम, तो क्या बाकी लोग यहाँ सिर्फ.कचरा साफ करने आए हैं?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने रविवार को एक अधिवेशन में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पार्टी का झंडा सौंपकर हरिप्रसाद को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी। शिवकुमार ने 2020 से अब तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कांग्रेस महासचिव (कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सिंह सुरजेवाला के अलावा कई मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए।

विधान परिषद सदस्य हरिप्रसाद (71) को तीन जून को केपीसीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें यह पद शिवकुमार के कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी पद से इस्तीफा देने के बाद मिला है। बिल्लव समुदाय से आने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हरिप्रसाद हाल ही में कर्नाटक विधान परिषद के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं। वह इससे पहले राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं और हरियाणा सहित कई राज्यों में कांग्रेस प्रभारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

पीओके में बवालः 'पाकिस्तानी सेना बाहर जाओ' के नारों से गूंजी घाटी, झड़पों में 58 की मौत

रावलकोट, 22 जून। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पिछले 14 दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों ने अब एक उग्र और निर्णायक मोड़ ले लिया है। इस आंदोलन में अब स्कूली बच्चे और महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल होकर पाकिस्तानी सेना के ₹गैर-कानूनी कब्जे₹ के

खिलाफ और आजादी के लिए आवाज उठा रहे हैं।रावलकोट के ईदगाह मैदान में 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारी पिछले 11 दिनों से धरना दे रहे हैं। यहां 10 से 12 साल के स्कूली बच्चे ऐसे पोस्टर लिए नजर आए जिन पर पाकिस्तानी सेना बाहर जाओ, पाकिस्तानी सेना कश्मीरियों को मार रही है और हमें बुनियादी अधिकार चाहिए जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों में अब तक 58 लोगों की मौत हो चुकी है।विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही अवामी एक्शन कमिटी (AAC) ने पाकिस्तानी सरकार के सामने 38 मांगों वाला एक चार्टर रखा है और इन्हें मानने के लिए 23 जून की डेडलाइन तय की है। वरिष्ठ आयोजक सरदार अमन खान ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 1 लाख से अधिक प्रदर्शनकारी प्रशासनिक राजधानी मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करेंगे और वहां की राजनीतिक संस्थाओं पर जनता का नियंत्रण कायम करेंगे। खान ने तुलना करते हुए कहा कि मुजफ्फराबाद में सरकार अवामी एक्शन कमिटी की होगी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

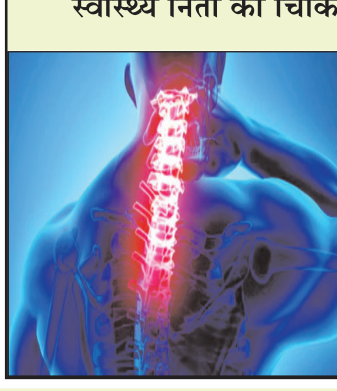

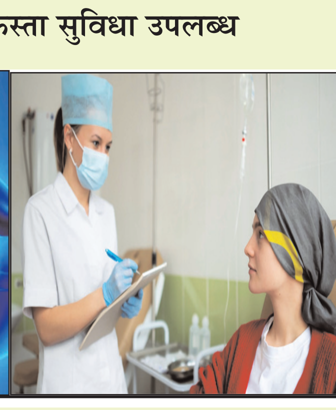

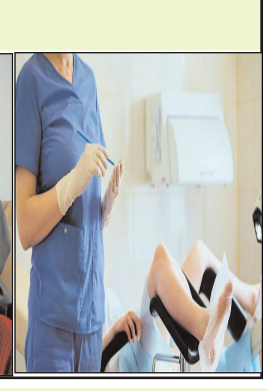

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

-ललित गर्ग

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी कम होंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्यआंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।ह्ण आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि ह्ययह युग युद्ध का नहीं है।ह्ण संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन वैश्विक शांति केवल सरकारों से स्थापित नहीं हो सकती। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलाता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय एक ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

राम मंदिर के चढ़ावे चोरी का मामला नियम-कायदे रख दिए ताक पर, होगी मुसीबत

अशोक भाटिया

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और हेराफेरी के मामले में SIT जांच कर रही थी। सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि दान पेटियों की सुरक्षा और गिनती में लापरवाही बरती गई, सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की बात सामने आ रही है। मामले में कई कर्मचारियों और संलिप्त लोगों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। सूत्र बताते हैं कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर से जुड़े कई सेवादारों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर परिसर में कार्रवाई की अटकलों ने हलचल बढ़ा दी है।

जांच के दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव से भी बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई थी । इस दौरान जांच अधिकारियों ने चढ़ावे के संग्रह, सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े कई सवाल पूछे। सूत्रों का दावा है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां जांच टीम को मिली हैं, जिन्हें रिपोर्ट का हिस्सा बनाया गया है।

भले ही रिपोर्ट तैयार हो चुकी हो, लेकिन रक्ळ की गतिविधियां अभी जारी हैं। जांच टीम के कई सदस्य अभी भी अयोध्या में मौजूद हैं और अंतिम सत्यापन में जुटे हैं। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है ताकि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और तकनीकी रूप से मजबूत रहे।

राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच में सबसे बड़ा सवाल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को लेकर उठ रहा है। मंदिर निर्माण से लेकर उसके संचालन तक जिस व्यक्ति की भूमिका सबसे प्रभावशाली मानी गई, आज वही नाम जांच और बहस के केंद्र में दिखाई दे रहा है। दरअसल, राम मंदिर निर्माण का श्रेय जिन चुनिंदा लोगों को दिया जाता है, उनमें चंपत राय सबसे प्रमुख चेहरों में गिने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के पूर्णकालिक प्रचारक रहे चंपत राय ने दशकों तक अयोध्या में रहकर राम मंदिर आंदोलन को गति दी। मंदिर आंदोलन के समर्थक उन्हें समर्पित, अनुशासित और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाला कार्यकर्ता मानते हैं।

हालांकि उनकी कार्यशैली को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे। अयोध्या के कई संतों और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरों का आरोप रहा कि ट्रस्ट के गठन और मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में अनेक पुराने कार्यकताओं और संतों को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। यही वजह है कि ट्रस्ट बनने के बाद से एक वर्ग के भीतर असंतोष लगातार बना रहा। अब जब चढ़ावे से जुड़ा मामला सुर्खियों में है तो वर्षों से दबा असंतोष भी सतह पर दिखाई देने लगा है। कई संत, महंत और आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरे खुलकर सवाल उठा रहे हैं। कुछ का कहना है कि यदि मंदिर की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था एक केंद्रीय नेतृत्व के तहत संचालित हो रही थी तो किसी भी गड़बड़ी की जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है।

यहीं से चंपत राय को लेकर बहस शुरू होती है। उनके समर्थकों का तर्क है कि दशकों के सार्वजनिक जीवन में उन पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का कोई आरोप साबित नहीं हुआ और उनकी सादगी आज भी वैसी ही है जैसी पहले थी। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि यदि जांच में प्रशासनिक कमियां सामने आती हैं तो शीर्ष स्तर की जवाबदेही से इंकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक SIT की रिपोर्ट में विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों का आकलन किया गया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि रिपोर्ट केवल कुछ कर्मचारियों और सेवादारों तक सीमित रहती है या फिर ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों की भूमिका पर भी कोई टिप्पणी करती है।

राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में एक और चर्चा तेजी से चल रही है। माना जा रहा है कि विवाद के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव हो सकते हैं। दान प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी के लिए अधिक प्रोफेशनल सिस्टम लागू करने पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या SIT रिपोर्ट चंपत राय को पूरी तरह राहत देगी या फिर रिपोर्ट के निष्कर्ष उनके भविष्य को प्रभावित करेंगे। भले ही जांच का अंतिम परिणाम अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इस विवाद ने राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और नेतृत्व दोनों को गंभीर सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। अब अयोध्या से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक नजर सिर्फ एक बात पर टिकी है– 140 पन्नों की रिपोर्ट में आखिर लिखा क्या है और कार्रवाई की गाज किन-किन लोगों पर गिरने वाली है क्योंकि पाया गया कि मंदिर प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी। जिम्मेदार बेखबर रहे और खेल होता रहा। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने इसका अपनी रिपोर्ट में प्रमुखता से जिक्र किया है। जो गाइडलाइन थी, उसका पालन ही नहीं किया गया। यह लापरवाही ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के लिए मुसीबत बन सकती है।

यूं तो RSS और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े पूर्णकालिक प्रचारक चंपत राय बेहद सख्त और ईमानदार माने जाते रहे हैं, लेकिन जिद्दी और किसी की न सुनने वाले व्यक्ति की उनकी छवि ने उन्हें राम मंदिर से जुड़े एक अनकंप्रोमाइजिंग शख्स के तौर पर स्थापित कर दिया। राम मंदिर बनने से पहले तक चंपत राय मंदिर निर्माण के लिए समर्पित सबसे बड़े चेहरों में शामिल हो चुके थे।

जिन्होंने अपना पूरा जीवन मंदिर निर्माण के नाम कर दिया, उन्हें काम के प्रति समर्पित और अयोध्या का बड़ा जानकार भी माना गया। चूंकि कई दशकों से अयोध्या ही चंपत राय की कर्मभूमि रही है, ऐसे में अयोध्या के तमाम साधु-संतों, छावनियों, अखाड़ों और संत समाज से उनका अच्छा तालमेल बन गया था। लेकिन जब मंदिर निर्माण की बारी आई, तो चंपत राय ने अयोध्या के ज्यादातर साधु-संतों की बातों को नहीं माना। चाहे ट्रस्ट का गठन हो या मंदिर निर्माण, राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कई नेताओं और संतों को राम जन्मभूमि ट्रस्ट और मंदिर निर्माण प्रक्रिया से दूर रखा गया।

राम मंदिर ट्रस्ट के गठन के समय से ही ज्यादातर साधु-संत और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने लोग इस बात से नाराज थे कि मंदिर आंदोलन में जिन लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्होंने लाठियां और गोलियां खाईं, जिन साधु-संतों, मठों और छावनियों ने राम मंदिर आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई, उन्हें पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया।

जब राम जन्मभूमि ट्रस्ट का गठन हुआ, तो उसके अध्यक्ष छोटी छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास जरूर बनाए गए, लेकिन उनकी भूमिका एक पदेन अध्यक्ष तक ही सीमित कर दी गई। सारी ताकत और अधिकार चंपत राय में निहित थे। अयोध्या के कई मठों के महंत राम जन्मभूमि ट्रस्ट बनने के बाद से ही चंपत राय से नाराज चल रहे थे, लेकिन चूंकि सरकार ने चंपत राय को काफी अधिकार दे रखे थे, इसलिए सभी चुप ही रहते थे।कई मौके ऐसे आए जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी भी दिखाई दी। खासकर धर्मध्वजा आरोहण के वक्त चंपत राय के काम करने के तरीके को लेकर सरकार की नाराजगी सामने आई थी। ट्रस्ट में अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद मौजूद हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी ट्रस्ट में रहे। अयोध्या के डीएम भी इसके ट्रस्टी होते हैं। लेकिन कहा जाता है कि चंपत राय अकेले सब पर भारी थे। इसलिए ट्रस्ट के ज्यादातर सदस्यों ने मंदिर के कामकाज और फैसलों से अपनी दूरी बना ली थी।अब जबकि चढ़ावे में चोरी का मामला तूल पकड़ चुका है और चंपत राय पर सवाल उठने लगे हैं, उन्हें कटघरे में खड़ा किया जाने लगा है, तो वर्षों से नाराज पुराने आंदोलन से जुड़े बड़े चेहरे, संत और महंत भी उनके खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। चाहे विनय कटियार हों, संतोष दुबे हों या छोटी छावनी के महंत कमल नयन दास, सभी ने चंपत राय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विनय कटियार ने तो साफ कह दिया था कि चंपत राय ने अपराध किया है और वह जल्द ही चढ़ावे में हुई चोरी का खुलासा करेंगे। हालांकि बाद में उन्होंने यू-टर्न ले लिया और चुप हो गए।सभी को मालूम है कि चंपत राय अक्खड़, जिद्दी और किसी की न सुनने वाले हो सकते हैं, लेकिन भ्रष्ट नहीं हो सकते। क्योंकि दशकों से राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों ने उनका सादगी भरा जीवन देखा है, जो आज भी जारी है। लेकिन चढ़ावे में चोरी का मामला लोगों की आस्था से इस तरह जुड़ गया है कि लोग चंपत राय को क्लीन चिट देने के लिए तैयार नहीं हैं। वजह साफ है कि अब तक ट्रस्ट और पूरा राम मंदिर परिसर उनकी ही देखरेख में चलता रहा है। अगर उनकी जानकारी के बिना भी चढ़ावे में चोरी हुई, तो जिम्मेदारी उनकी तो बनती ही है।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर इतने गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं कि अगर चंपत राय को क्लीन चिट मिल भी जाती है, तो भी ट्रस्ट में उनका बने रहना अब लगभग असंभव माना जा रहा है।राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के बेहद करीबी माने जाने वाले नृपेंद्र मिश्र ने भी मंदिर के कामकाज में व्याप्त बड़ी गड़बड़ियों की बात स्वीकार की, लेकिन चंपत राय के जीवन को निष्कलंक करार दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही अपने कार्यक्रम से चंपत राय को दूर रखा, लेकिन उन्होंने भी कहा कि किसी का चरित्र हनन नहीं होना चाहिए। इशारा चंपत राय की ओर ही माना गया। अब ऐसा लगता है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नए सिरे से पुनर्गठित किया जा सकता है। एक नया प्रोफेशनल सिस्टम लागू किया जा सकता है। और इतने सवाल उठने के बाद चंपत राय, अनिल मिश्रा जैसे लोग ट्रस्ट से दूरी बना सकते हैं।लेकिन नजर इस बात पर जरूर रहेगी कि क्या रक्ळ इस पूरे चढ़ावा चोरी मामले में इन बड़े चेहरों, जिनमें चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव जैसे नाम शामिल हैं, को कहीं दोषी करार देती है या नहीं।

बंगाल से राष्ट्रभाव व राष्ट्रनिर्माण को मिली नई शक्ति

लोकतंत्र के जनादेश ने केवल सत्ता का समीकरण नहीं बदला, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास की राजनीति को नई ऊर्जा प्रदान की है. भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ चुनाव ऐसे होते हैं, जिनका महत्व केवल सरकारों के गठन या पतन तक सीमित नहीं रहता। वे समाज की दिशा बदलते हैं, राजनीति की भाषा बदलते हैं और आने वाले समय के वैचारिक विमर्श की नींव रखते हैं। पश्चिम बंगाल का ताजा जनादेश भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इसे केवल विधानसभा चुनाव का परिणाम मानना उसके व्यापक अर्थ को सीमित करना होगा। यह जनादेश उस मनःस्थिति का प्रतिबिंब है, जिसमें जनता ने लोकतांत्रिक अधिकार, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, राष्ट्रीय एकात्मता और सुशासन की अपेक्षा को एक साथ व्यक्त किया है।

बंगाल भारतीय राष्ट्रजीवन का वह प्रांत है, जहाँ आधुनिक भारत की वैचारिक चेतना ने आकार लिया। यहीं सामाजिक सुधार की मशाल जली, यहीं स्वदेशी आंदोलन ने गति पकड़ी, यहीं ॠवंदे मातरमॠ राष्ट्रीय उद्घोष बना और यहीं से स्वामी विवेकानंद ने विश्व के समक्ष भारतीय संस्कृति का मस्तक ऊँचा किया। इसलिए बंगाल की जनता जब कोई निर्णय करती है तो उसका प्रभाव राज्य की सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय मानस तक पहुँचता है। इस बार का जनादेश भी उसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल मतों का गणित नहीं, बल्कि जनविश्वास का दस्तावेज है। लोकतंत्र में जनता जब निर्भय होकर मतदान करती है तो वह केवल प्रतिनिधि नहीं चुनती, बल्कि शासन की दिशा भी तय करती है। बंगाल में बड़ी संख्या में मतदान और परिवर्तन के पक्ष में स्पष्ट जनादेश इसी विश्वास का परिचायक है।

राष्ट्रभाव केवल भावना नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है

भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है, लेकिन इस विविधता को जोड़ने वाला सूत्र राष्ट्रभाव है। यही वह भाव है जिसने भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ की सीमाओं से ऊपर उठकर भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। बंगाल का इतिहास इस राष्ट्रभाव का सबसे सशक्त उदाहरण है। जब 1905 में ब्रिटिश शासन ने बंगाल के विभाजन की घोषणा की, तब विरोध केवल प्रशासनिक निर्णय का नहीं था। वह भारत की सांस्कृतिक एकता की रक्षा का आंदोलन बन गया। ॠवंदे मातरमॠ केवल गीत नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान का घोष बन गया। रक्षाबंधन के माध्यम से सामाजिक एकता का संदेश देना, स्वदेशी आंदोलन के जरिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का संकल्प लेना और राष्ट्रीय चेतना को जन-जन तक पहुँचाना–यह सब बंगाल की धरती पर ही संभव हुआ। आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं, लेकिन राष्ट्रभाव की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, आंतरिक चुनौतियाँ और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में राष्ट्रीय एकात्मता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है।

जनादेश ने लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत किया

लोकतंत्र की सफलता चुनाव कराने से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से तय होती है। यदि मतदाता यह महसूस करे कि उसका वोट सुरक्षित है और उसका निर्णय सम्मानित होगा, तभी लोकतंत्र जीवंत रहता है। बंगाल के चुनाव ने यही संदेश दिया है। लंबे समय तक हिंसा और राजनीतिक टकराव की छाया में रहने वाला राज्य जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया में व्यापक भागीदारी दर्ज कराता है तो यह लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण माना जाता है। जनता ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति मतदाता के पास होती है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के विश्वास से ही मजबूत होती है।

बंगाल ने हमेशा देश को दिशा दी है

भारत का आधुनिक इतिहास बंगाल के बिना अधूरा है। राजा राममोहन राय ने सामाजिक सुधार की

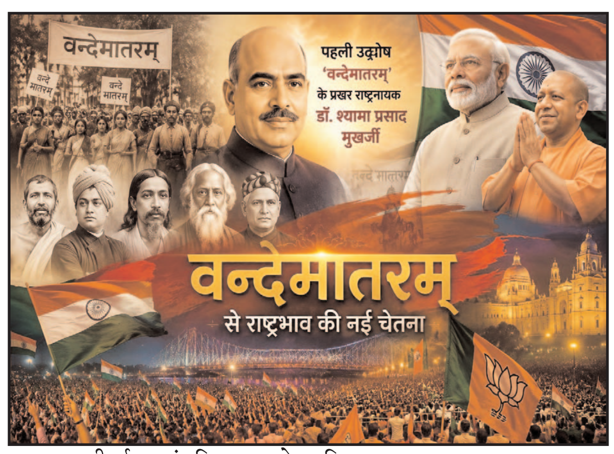

शुरूआत की। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने शिक्षा और महिला अधिकारों की नई परंपरा स्थापित की। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने ॠवंदे मातरमॠ लिखकर राष्ट्रभाव को शब्द दिए। रामकृष्ण परमहंस ने अध्यात्म को जनसामान्य तक पहुँचाया। स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति को वैश्विक सम्मान दिलाया। श्री अरविंद ने राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक आधार दिया। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भारतीय संस्कृति को विश्व चेतना से जोड़ा। इसी परंपरा के कारण बंगाल का हर बड़ा राजनीतिक परिवर्तन राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन जाता है।

सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास साथ-साथ

भारत का अनुभव बताता है कि केवल आर्थिक विकास किसी समाज को स्थायी रूप से मजबूत नहीं बना सकता। विकास के साथ सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी आवश्यक है। जब समाज अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, तब विकास अधिक स्थायी और समावेशी बनता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने हमेशा वसुधैव कुटुम्बकम, एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे विचारों के माध्यम से समावेशी दृष्टि दी है। बंगाल का जनादेश इस सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास की आकांक्षा के संयुक्त स्वर के रूप में भी देखा जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत

बंगाल का राजनीतिक संदेश केवल बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा। उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत की राजनीति पर इसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश पहले ही राष्ट्रीय राजनीति की धुरी है। यदि बंगाल में राष्ट्रभाव, विकास और लोकतांत्रिक भागीदारी को व्यापक समर्थन मिलता है, तो उसका प्रभाव उत्तर प्रदेश के राजनीतिक विमर्श पर भी पड़ेगा। यहाँ भी विकास, सुशासन, सांस्कृतिक विरासत, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय एकात्मता जैसे विषय अधिक प्रमुखता प्राप्त कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि केवल चुनावी समीकरण अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता ठोस परिणाम, पारदर्शी शासन और स्पष्ट दृष्टि चाहती है।

अब जिम्मेदारी जनादेश से भी बड़ी

लोकतंत्र में जनादेश अवसर देता है, लेकिन इतिहास उसी को याद रखता है जो उस अवसर को उपलब्धि में बदल देता है। यदि नई व्यवस्था जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, राजनीतिक हिंसा पर स्थायी विराम लगता है, निवेश बढ़ता है, रोजगार के अवसर बनते हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होती है तथा सामाजिक समरसता का वातावरण विकसित होता है, तभी इस जनादेश का वास्तविक महत्व सिद्ध होगा। जनता ने विश्वास व्यक्त किया है। अब उस विश्वास को परिणामों में बदलना शासन की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रभाव की नई ऊर्जा

भारत का लोकतंत्र केवल संवैधानिक ढाँचा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित जीवंत व्यवस्था है। यही कारण है कि यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति भी होते हैं। बंगाल का यह जनादेश इस तथ्य को फिर स्थापित करता है कि भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई है। राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक भागीदारी और विकास–ये तीनों जब एक साथ आगे बढ़ते हैं, तभी राष्ट्र मजबूत होता है। बंगाल ने एक बार फिर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह जनादेश आने वाले वर्षों में केवल राजनीतिक विश्लेषण का विषय नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में भी याद किया जाएगा। बंगाल ने अनेक बार भारत को नई दिशा दी है। इस बार भी वहाँ की जनता ने लोकतांत्रिक भागीदारी के माध्यम से यह संदेश दिया है कि राष्ट्रभाव, सुशासन और विकास की आकांक्षा साथ-साथ चल सकती है। यह जनादेश केवल एक राज्य की राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास को नई मजबूती देने वाला संकेत है। यदि इस विश्वास को जनकल्याण, सामाजिक समरसता, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक मूल्यों में रूपांतरित किया गया, तो बंगाल से निकला यह संदेश उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश की राजनीति में एक नए विमर्श का आधार बनेगा। तब यह चुनाव केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं रहेगा, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय जीवन में एक नई दिशा का प्रेरक बिंदु सिद्ध होगा।

भारत का इतिहास जब भी निर्णायक मोड़ पर पहुँचा है, बंगाल ने केवल घटनाओं को नहीं देखा, बल्कि उन्हें दिशा भी दी है। यही वह भूमि है, जहाँ से सामाजिक सुधार का दीप जला, राष्ट्रीय पुनर्जागरण ने आकार लिया, ॠवंदे मातरमॠ का अमर स्वर निकला और स्वामी विवेकानंद ने भारतीय आत्मा का परिचय पूरी दुनिया से कराया। इसलिए बंगाल का हर बड़ा राजनीतिक परिवर्तन केवल एक राज्य की सीमाओं में नहीं बंधता, बल्कि उसका प्रभाव राष्ट्रीय मानस तक पहुँचता है। इस बार का जनादेश भी उसी परंपरा का विस्तार प्रतीत होता है। इसमें केवल सत्ता का परिवर्तन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की पुनर्पुष्टि, सांस्कृतिक आत्मबोध की अभिव्यक्ति और राष्ट्रीय एकात्मता के प्रति बढ़ते जनसमर्थन की झलक दिखाई देती है। चुनावी परिणाम समय के साथ बदलते रहते हैं, किंतु कुछ जनादेश अपने भीतर भविष्य की राजनीति का संकेत भी समेटे होते हैं। बंगाल का यह निर्णय ऐसे ही संकेतों से भरा हुआ है। यह बताता है कि लोकतंत्र तब सबसे अधिक प्रभावशाली होता है, जब जनता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करती है और विकास, सुशासन तथा राष्ट्रीय हित को अपने निर्णय का आधार बनाती है। यही कारण है कि बंगाल से निकला यह संदेश आने वाले समय में केवल पूर्वी भारत ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के राजनीतिक और वैचारिक विमर्श को नई दिशा देने की क्षमता रखता है

आजकल की बढ़ती चिंताएँ और समाज की जिम्मेदारी

-विक्रम दयाल

आज का युग विज्ञान, तकनीक और आधुनिक सुविधाओं का युग है। मानव ने विकास की ऐसी ऊँचाइयों को छू लिया है जिसकी कभी केवल कल्पना की जाती थी। हाथों में स्मार्टफोन है, घरों में आधुनिक सुविधाएँ हैं, दुनिया एक क्लिक पर उपलब्ध है। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने आता है कि क्या वास्तव में मनुष्य पहले से अधिक सुखी और संतुष्ट हुआ है? दुर्भाग्यवश, उत्तर उतना सकारात्मक नहीं दिखाई देता। आज समाज अनेक प्रकार की समस्याओं और चिंताओं से घिरा हुआ है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। आम आदमी की आय जितनी तेजी से नहीं बढ़ती, उससे कहीं अधिक गति से आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। रसोई का बजट बिगड़ रहा है, बच्चों की शिक्षा महंगी होती जा रही है और स्वास्थ्य सेवाएं भी आम व्यक्ति की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग दोनों ही आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं। बेरोजगारी भी एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। शिक्षित युवा डिग्रियां लेकर रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। रोजगार की अनिश्चितता ने युवाओं में निराशा और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। जब युवा शक्ति को सही दिशा नहीं मिलती, तब उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इसके साथ ही डिजिटल युग ने नई प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का कार्य तो किया है, लेकिन कई बार यह वास्तविक संबंधों में दूरी का कारण भी बन रहा है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल की दुनिया में खोए रहते हैं। संवाद कम हो रहा है और भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ता जा रहा है। अकेलापन, तनाव और मानसिक अवसाद जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। समाज में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी चिंता का विषय है। आज हर व्यक्ति दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में लगा हुआ है। सफलता को केवल धन और पद से मापा जाने लगा है। इस अंधी दौड़ में नैतिक मूल्य, मानवीय संवेदनाएँ और सामाजिक उत्तरदायित्व कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप समाज में स्वार्थ, असहिष्णुता और आपसी विश्वास की कमी दिखाई देती है। पर्यावरण संकट भी आज की बड़ी समस्याओं में से एक है। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल, जल संकट और जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इन सभी चुनौतियों के बीच समाधान भी हमारे पास ही है। परिवार में संवाद बढ़ाना, युवाओं को सकारात्मक अवसर प्रदान करना, नैतिक शिक्षा को महत्व देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना और समाज में सहयोग तथा संवेदना की भावना को बढ़ावा देना आवश्यक है। केवल सरकारों के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे; प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अंततः, किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसके लोगों की संवेदनशीलता, एकता और नैतिकता होती है। यदि हम आधुनिकता के साथ मानवीय मूल्यों को भी सहेज कर रखें, तो वर्तमान की परेशानियाँ भविष्य के लिए नई संभावनाओं का मार्ग बन सकती हैं। समाज तभी मजबूत होगा जब विकास के साथ-साथ इंसानियत भी आगे बढ़ेगी। यही आज के समय का सबसे बड़ा संदेश और सबसे बड़ी आवश्यकता है।

जिला परिषद पालघर और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के बीच शिक्षा परिवर्तन हेतु बहु-भागीदार समझौता सामूहिक प्रयासों से पालघर शिक्षा का आदर्श मॉडल बनेगा : सीईओ मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक एवं स्थायी परिवर्तन लाने के उद्देश से जिला परिषद पालघर और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से ₹पालघर जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम₹ के अंतर्गत बहु-भागीदार समझौता (एमओयू) सोमवार 22 जून 2026 को जिला परिषद मुख्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने की।

पालघर जिला आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के साथ-साथ भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से भी जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों में अपार क्षमता होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता को देखते हुए जिला प्रशासन, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों ने मिलकर इस पहल की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल तैयारी, बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन), शिक्षक क्षमता विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, विद्यालय-समुदाय सहभागिता, विद्यार्थियों के अंग्रेजी संवाद कौशल, कैरियर मार्गदर्शन तथा युवाओं के

लिए रोजगारोन्मुख कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया जाएगा। इसके माध्यम से स्कूलों, आंगनवाड़ियों, शिक्षकों, अभिभावकों, समुदाय और युवाओं को एकीकृत विकास ढांचे से जोड़कर दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन इस पहल को आर्थिक, रणनीतिक एवं प्रबंधकीय सहयोग प्रदान करेगा। विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से जिले के हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। लीडरशिप फॉर इक्विटी संस्था शैक्षणिक गुणवत्ता और शिक्षक क्षमता विकास पर कार्य करेगी, लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं स्पोकन इंग्लिश कौशल को मजबूत बनायेगा, क्वेस्ट संस्था आंगनवाड़ी एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करेगी, जबकि लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेगा। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बोलते हुए कहा कि पालघर जिले के शैक्षणिक विकास के लिए यह समझौता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। विभिन्न संस्थाओं के संयुक्त सहयोग से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों को क्षमता विकास के अवसर, आंगनवाड़ियों को सशक्त समर्थन तथा युवाओं को कौशल एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से पालघर जिला शिक्षा परिवर्तन का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन की अध्यक्षा सुनीता अग्रवाल ने कहा कि जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश से यह पहल शुरू की गई है।

कल्याण के रायता आश्रम में दो दिवसीय सेवा साधना अनुष्ठान सम्पन्न, हजारों भक्तों की उपस्थिति

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण स्थित रायता आश्रम में संत आशारामजी बापू के सानिध्य में दो दिवसीय सेवा साधना अनुष्ठान का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अखाड़ा परी की संस्थापक आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य त्रिकाल भवन्ता सरस्वती साध्वीजी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहीं। साध्वीजी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि सत्य कभी पराजित नहीं होता और साधना के माध्यम से जीवन को आध्यात्मिक दिशा देने का आह्वान किया। इस दौरान आश्रम में बापू के हजारों समर्थकों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति देखने को मिली। आयोजन समिति के प्रमुख विशाल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशाल साधक सम्मेलन एवं ऋषि प्रसाद सम्मेलन के माध्यम से भक्तों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का पालन करने और उन्हें जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आश्रम के मुख्य संचालक सत्येंद्र भाई, रायता आश्रम संचालक रघुभाई व रामभाई, डोंबिवली योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष हरीश यादव, श्री जोशी, उल्हासनगर समिति के अध्यक्ष कमलेश पंजाबी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रकाश सोनी, वसंत जगताप, कृष्णानंद तिवारी, प्रकाश पड़गल, अमित राव, भवानी शुक्ला, रामदास कजरी, अशोक बी. लॉर्ड, दीपक गुजरी, राजेश परवानी, महादेव वाडेकर, रवि सोनी, आनंदी बेन ज्योति, उषा सिंह सहित बड़ी संख्या में सेवादारों ने कार्यक्रम में भाग लिया। युवा सेवा संघ रायता आश्रम के अध्यक्ष चंद्रकांत सालुंखे एवं उपाध्यक्ष विनायक समेत सभी सेवादारों ने सेवा-साधना में सक्रिय सहभाग लिया। अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं ने साध्वीजी महाराज की सेवा-साधना कर इस दुर्लभ अवसर का लाभ उठाया। कार्यक्रम के अंत में साध्वीजी महाराज द्वारा आयोजन समिति के प्रमुख विशाल गुप्ता एवं अन्य सेवादारों का सम्मान किया गया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आतकोली घनकचरा परियोजना का ग्रामीणों ने किया विरोध, जनसुनवाई में उठाए पर्यावरण और स्वास्थ्य के मुद्दे पर सवाल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के आतकोली स्थित ठाणे महानगरपालिका की प्रस्तावित घनकचरा प्रबंधन परियोजना के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने जनसुनवाई के दौरान कड़ा विरोध दर्ज कराया। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से आयोजित जनसुनवाई की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल ने की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि परियोजना स्थल पर नियमों का पालन किए बिना प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा लाया जा रहा है, जिससे खेती, जलस्त्रोत, नदी-नाले और पर्यावरण प्रभावित हो रहे हैं। कचरा जलाने से निकलने वाले धुएं के कारण श्वसन संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ने की बात भी नागरिकों ने रखी। जनसुनवाई में स्थानीय किसानों और ग्राम प्रतिनिधियों ने कहा कि परियोजना से क्षेत्र की कृषि, उद्योग और रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने परियोजना को तत्काल बंद करने तथा नियमों के उल्लंघन की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की। डॉ. घनश्याम पाटिल ने आरोप लगाया कि पर्यावरणीय रिपोर्ट में भातसा नदी, पिसे बांध और आसपास के जलस्त्रोतों का उचित उल्लेख नहीं किया गया है। वहीं अधिवक्ता संदीप जाधव ने समृद्धि महामार्ग के निकट ऐसे परियोजना के औचित्य पर सवाल उठाते हुए इसे विकास और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया। जनसुनवाई में आतकोली सहित आसपास के गांवों के नागरिक, किसान और डंपिंग विरोधी संघर्ष समिति के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मीरा भायंदर में बॉटलनेक पुल पर विवाद गहराया: उद्घाटन के बाद उठे सुरक्षा और पारदर्शिता पर सवाल, मंत्री प्रताप सरनाईक ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में हाल ही में शुरू किए गए बहुचर्चित बॉटलनेक पुल (जुना पेट्रोल पंप से आझाद नगर मार्ग) को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पुल के निर्माण और उद्घाटन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए टटफ्ब्क्ष आयुक्त को पत्र लिखकर स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। मंत्री सरनाईक का कहना है कि पुल के निर्माण में कथित तकनीकी खामियों और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों को लेकर पहले भी कई आपत्तियां सामने आई थीं। इस विषय को विधायक नरेंद्र मेहता ने महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र में लक्षवेधी सूचना के माध्यम से उठाया था। उस दौरान राज्य सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विशेष समिति की जांच कराने का आश्वासन भी दिया था। जांच पूरी होने से पहले उद्घाटन क्यों सरनाईक ने अपने पत्र में सवाल किया है कि जब पुल की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर जांच की मांग लंबित थी, तब जांच रिपोर्ट सार्वजनिक किए बिना और प्रक्रिया पूर्ण हुए बिना पुल का उद्घाटन किस आधार पर कर दिया गया उन्होंने यह भी कहा कि यदि निर्माण में खामियां हैं तो जनता की सुरक्षा को खतरे में डालकर परियोजना को शुरू करना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही माना जाना चाहिए। पुल की सतह पर उठे सवाल स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों की ओर से पुल की सतह असंतुलित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि पुल पर आवागमन के दौरान वाहन चालकों को झटकों और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग परिवहन मंत्री ने टटफ्ब्क्ष से तत्काल स्पष्टीकरण और कार्रवाई की मांग की है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रेमानंद योगा द्वारा भव्य योग कार्यक्रम आयोजित

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रेमानंद योगा द्वारा एक विशेष एवं भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को योग के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन ऊर्जावान बना रहता है। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मधुर संगीत की धुनों पर कराया गया योगाभ्यास रहा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यदि शरीर को स्वस्थ, तंदुरुस्त और रोगमुक्त रखना है तो योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना अत्यंत आवश्यक है। योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभदायक है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया और ₹करें योग, रहें निरोग का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

महावितरण को पालघर शिवसेना की सख्त चेतावनी

स्मार्ट मीटर जबरन न लगाया जाये : शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सहित पालघर जिले में स्मार्ट मीटर लगाये जाने को लेकर उपभोक्ताओं में बढ़ती नाराजगी के बीच शिवसेना (शिंदे गुट) ने सोमवार 22 जून 2026 को पालघर में जोरदार आंदोलन किया।

शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे के नेतृत्व में सैकड़ों शिवसैनिकों ने पाचबत्ती स्थित हुतात्मा स्तंभ से महावितरण के अधीक्षक अभियंता कार्यालय तक मोर्चा निकाला और स्मार्ट मीटर लगाने की कथित जबरदस्ती के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस अवसर पर शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि पालघर जिले में बिजली उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं, जिससे आम जनता में भ्रम और

असंतोष का माहौल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर शिवसेना हमेशा सड़क पर उतरकर संघर्ष करती रहेगी। मोर्चे के बाद शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने महावितरण के अधीक्षक अभियंता मदन सांगले से मुलाकात कर उपभोक्ताओं की चिंताओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महावितरण अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसी भी बिजली उपभोक्ता पर उसकी अनुमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाने की कोई जबरदस्ती नहीं की जायेगी। अधिकारियों के इस आश्वासन के बाद शिवसेना ने आंदोलन को जनहित की बड़ी जीत बताया। शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे ने कहा कि यदि भविष्य में उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार की जबरदस्ती की गई तो शिवसेना और अधिक तीव्र आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आंदोलन में शिवसेना उपनेता ज्योति मेहर, सह-संपर्क प्रमुख केदार काले, जिला संगठिका वैदेही वाढाण, पालघर नगराध्यक्ष उत्तम घरत, डहाणू नगराध्यक्ष राजेंद्र माच्छी, पूर्व विधायक अमित घोडा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा भारती कामडी सहित जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित रहे।

एमएमआरडीए और सार्वजनिक बांधकाम विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे नागरिक, अधूरी खुली नाली में गिरी महिला, CCTV वीडियो वायरल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मानसून से पहले विकास कार्यों को लेकर किए जा रहे दावों के बीच भिवंडी में एमएमआरडीए और सार्वजनिक निर्माण विभाग की कथित लापरवाही सामने आई है। धामणकर नाका स्थित अमृत हॉस्पिटल के सामने सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद बगल की नाली अधूरी और खुली छोड़ दी गई है, जिसके कारण एक महिला दुर्घटना का शिकार हो गई। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, एक महिला सड़क किनारे स्थित मेडिकल स्टोर पर दवा खरीदने पहुंची थी। इसी दौरान उसका पैर अधूरी और खुली नाली में फंस गया और वह सीधे नाली में गिर पड़ी। यह पूरी घटना मेडिकल स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि करीब एक महीने पहले नाली की खुदाई की गई थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया है। खुली नाली से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को दुर्गंध तथा दुर्घटना के खतरे का सामना करना पड़ रहा है, यहीं नहीं इसके पहले भी एक महिला गिर गयी थी। बरसात शुरू होने के बाद यहां और बड़ी दुर्घटनाएं होने की आशंका जताई जा रही है। नागरिकों का कहना है कि सड़क और नाली निर्माण की जिम्मेदारी एमएमआरडीए द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग को सौंपी गई है, लेकिन दोनों विभागों की उदासीनता के कारण आम लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, विभाग द्वारा स्वीकृत निधि और माप-जोख की प्रक्रिया पूरी हो जाने का हवाला देकर काम लंबित रखा गया है।स्थानीय नागरिक विशाल पाठारे ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले मनपा हस्तक्षेप कर अधूरी नाली का निर्माण कार्य तत्काल पूरा कराए तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे। नागरिकों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही का खामियाजा अब आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

क्या ऑफिस की दीवारों के बीच प्यार अपनी जगह बना पाएगा?

ठाणे/नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। मराठी ZEE5 ने अपनी ओरिजिनल सीरीज प्रेमाला कंडीशन्स अप्लाय की घोषणा की है, यह एक आधुनिक ऑफिस प्रेम कहानी है, जो प्यार, महत्वाकांक्षा, रिश्तों में शक्ति संतुलन और आत्म-सम्मान जैसे पहलुओं को दिखाती है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मेनन और जान्हवी उदय मुख्य भूमिकाओं में हैं, इसका निर्देशन गौरव पत्की ने किया है। यह कहानी दो सहकर्मियों की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जो ऑफिस के नियमों और अपने दिल की भावनाओं के बीच फंस जाते हैं। यह सीरीज 24 जून 2026 को मंच पर प्रीमियर होगी।

प्रेमाला कंडीशन्स अप्लाय अनन्या और ऋषि की कहानी है, जो दो महत्वाकांक्षी युवा प्रोफेशनल हैं और काम के दौरान उनकी ज़िंदगियाँ अचानक एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं। जो रिश्ता शुरूआत में एक सहज जुड़ाव से शुरू होता है, वह धीरे-धीरे ऐसा रिश्ता बन जाता है, जिसे दोनों नजरअंदाज नहीं कर पाते। बेहद खास केमिस्ट्री, साझा सपनों और गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण वे एक-दूसरे के करीब आते हैं और प्यार में पड़ जाते हैं। लेकिन ऐसी जगह पर जहाँ प्यार के साथ कुछ परिणाम भी जुड़े हुए हैं।

जब छिपकर एक-दूसरे को देखने का सिलसिला लंबी बातचीत में बदल जाता है, छोटी-छोटी कॉफी ब्रेक यादगार पलों में बदल जाते हैं और देर रात तक होने वाली कॉल उनकी रोज की आदत बन जाती है, अनन्या और ऋषि एक गुप्त रिश्ते की शुरूआत करते हैं। यह रिश्ता उनके जीवन में खुशी, उत्साह और अनिश्चितता तीनों लेकर आता है। लेकिन अपने प्यार को छुपाकर रखना उनके लिए धीरे-धीरे मुश्किल होता जाता है, क्योंकि ऑफिस की उम्मीदें, पेशेवर सीमाएँ, पद-क्रम और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ उनके रिश्ते की परीक्षा लेने लगती हैं। तेज रफ्तार कॉर्पोरेट जीवन और आधुनिक वयस्क जीवन के दबावों की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रेमाला कंडीशन्स अप्लाय छुपे हुए प्यार के रोमांच, अपने दिल को किसी के सामने खोलने की नाजुक भावनाएँ और उन मुश्किल फैसलों को दशार्ती है, जो तब सामने आते हैं जब व्यक्तिगत खुशी और पेशेवर ज़िम्मेदारियाँ आमने-सामने आ जाती हैं। जैसे-जैसे अनन्या और ऋषि अपनी महत्वाकांक्षाओं, खुद को समझने की यात्रा और बंद दरवाजों के पीछे चल रहे अपने रिश्ते की सच्चाइयों का सामना करते हैं, तो उन्हें यह तय करना होगा कि क्या प्यार उन जोखिमों के लायक है, जो उसके साथ आते हैं।

KDMC की नालेसफाई पर उठे सवाल, भाजपा पदाधिकारी मनोज राय ने खोली पोल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) क्षेत्र में नालेसफाई के कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भाजपा पदाधिकारी एवं उद्योगपति मनोज राय ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए नालेसफाई की पोलखोल की है। मनोज राय ने कहा कि (बरसात) आने वाली है इसके बावजूद खडगोलवली और आशेळे पाडा क्षेत्र के नाले अब भी गाद और कचरे से पूरी तरह भरे हुए हैं। ऐसे में बारिश के दौरान नाले (जाम होने) की आशंका बनी हुई है, जिससे नागरिकों के घरों में पानी घुस सकता है। उन्होंने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि

बरसात में नाले जाम होने से लोगों के घरों में पानी घुसा, तो वही गंदा पानी अधिकारियों के घरों में फेंकने का आंदोलन किया जाएगा। मनोज राय ने KDMC प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल नालेसफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। उन्होंने मांग की कि संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द नालेसफाई का काम पूरा किया जाए। स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।

क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने हरीश कुमार को सीईओ नियुक्त किया

मुंबई। एक प्रमुख वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आज हरीश कुमार को अपना चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। हरीश कुमार के पास साइबर सुरक्षा, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक का नेतृत्व अनुभव है। अपने विशिष्ट करियर के दौरान उन्होंने बड़े पैमाने पर व्यवसायिक परिवर्तन का सफल नेतृत्व किया है, विकास को गति दी है, बाजार में उपस्थिति का विस्तार किया है और मिड-मार्केट तथा बड़े उद्यमों के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी तकनीकी बाजारों में उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों का निर्माण किया है। क्विक हील टेक्नोलॉजीज से जुड़ने से पहले वे चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज में हेड ऑफ सेल्स - इंडिया और सार्क के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने व्यवसाय वृद्धि को आगे बढ़ाने और पूरे क्षेत्र में कंपनी की बाजार नेतृत्व स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह नियुक्ति उस समय हुई है जब क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण चरण में है और अपने प्रमुख ब्रांड्स, क्विक हील और सेक्राइट, के माध्यम से कंज्यूमर साइबर सुरक्षा, एंटरप्राइज सुरक्षा, थ्रेट इंटेलिजेंस, डेटा प्राइवेसी, मैनेज्ड सुरक्षा सेवाओं और एआई-संचालित सुरक्षा समाधानों में अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। इस नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. कैलाश काटकर ने कहा, ₹हम हरीश कुमार का क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सीईओ के रूप में स्वागत करते हुए बेहद प्रसन्न हैं।

वर्षों के दौरान क्विक हील ने नवाचार, ग्राहकों के विश्वास और साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता की मजबूत नींव तैयार की है। जैसे-जैसे डिजिटल परिदृश्य विकसित हो रहा है और व्यक्तियों, उद्यमों तथा सरकारों के लिए साइबर सुरक्षा का महत्व बढ़ता जा रहा है, मुझे पूरा विश्वास है कि हरीश का व्यापक उद्योग अनुभव, सिद्ध नेतृत्व क्षमता और कार्यान्वयन पर मजबूत पकड़ उन्हें कंपनी के अगले विकास चरण का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त बनाती है।

म्यूज़िक डे, फादर्स डे और योग दिवस के लिए इंडियन आइडल

मुंबई/पटना। मेरे लिए म्यूज़िक कभी किसी खास दायरे में बंधा नहीं रहा। यह सीमाएँ तोड़ने और ऐसे पल बनाने की ताकत है जो लोगों को छू जाएं। हर जॉनर की अपनी कहानी होती है, हर कलाकार की अपनी आवाज होती है जिसे मनाना जरूरी है। वर्ल्ड म्यूज़िक डे हमें यही याद दिलाता है।

इंडियन आइडल जैसे प्लेटफॉर्म सचमुच कमाल करते हैं। वे सिर्फ. टैलेंट खोजते नहीं, उसे सामने लाते हैं। मैंने अनगिनत कलाकारों को देखा है जो सपने लेकर आए और यहाँ से निकलकर पूरे देश की पहचान बन गए। यही है म्यूज़िक की असली ताकत वह बदलाव और आत्मविश्वास जो कलाकारों को मिलता है। इंडियन आइडल जैसे मंच पर यह मायने नहीं रखता कि आप कहाँ से आए हैं या कौन-सा स्टाइल आपको परिभाषित करता है।

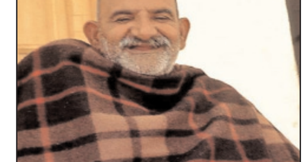

नीम करौली बाबा

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के पालघर जिला उपाध्यक्ष बने मुकलेश गिरी

पालघर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले मुकलेश गिरी को भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा का पालघर जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति समाजसेवा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए की गई है। भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के मार्गदर्शन में उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष रास बिहारी सिंह (आर.बी. सिंह) ने मुकलेश गिरी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित राहुल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबाजी कोठाले, जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, जिला उपाध्यक्ष एवं दहानू नगरपालिका उपनगराध्यक्ष जगदीश राजपूत, जिला महासचिव अशोक वड़े, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत संखे, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नंदन वर्तक, सरावली सरपंच आनंद धोड़ी तथा वाहतुक आघाड़ी के जिला अध्यक्ष अहमद खान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि मुकलेश गिरी लंबे समय से समाजसेवा और

जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण व संगठनात्मक कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकताओं और उत्तर भारतीय समाज में उत्साह का माहौल है। नियुक्ति पर भाजपा पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने मुकलेश गिरी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को भाजपा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

14 गौसेवकों की उम्रकैद माफ करने की मांग, राष्ट्रपति के नाम जौनपुर में सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रवीर सेना ने अनुच्छेद-72 के तहत क्षमादान की मांग उठाई, आंदोलन की चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवीर सेना के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार सदर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में 14 गौसेवकों को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर क्षमादान दिए जाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 13 जून 2026 को सिवनी मालवा की अदालत ने नजीर अहमद प्रकरण में दीपक केवट, अजय राठौर, कन्हैया, गौरव समेत 14 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को लेकर गौसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों में चिंता का माहौल है।

राष्ट्रवीर सेना के अध्यक्ष महेश कुमार के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गौ रक्षा सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण विषय है। उनका कहना था कि इस प्रकार के निर्णयों से गौ संरक्षण कार्यों में लगे लोगों का मनोबल प्रभावित होगा तथा भविष्य में गौ हत्या रोकने के प्रयासों पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

संगठन ने राष्ट्रपति से संविधान के अनुच्छेद-72 के अंतर्गत प्रदत्त क्षमादान की शक्ति का प्रयोग करते हुए सभी दोषियों को राहत प्रदान करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल का दावा है कि मामले में पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव के बावजूद यह फैसला सुनाया गया है।

इस अवसर पर सेना के उपाध्यक्ष आलोक सेठ, मंत्री नीरज सेठ, कोषाध्यक्ष मंगल सेठ, सियाराम गुप्ता, दीपक सेठ, सुरेन्द्र जी, चन्दन सोनी, अधिवक्ता उग्रसेन यादव, प्रीतम वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि गौसेवकों को न्याय नहीं मिला तो प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

वनवासी बस्ती में रात्रि जन चौपाल, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देश पर विकास खंड

रामपुर की ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय स्थित अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मड़ियाहूं डॉ. आर.के. पटेल, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन., मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

वर्चुअल माध्यम से जुड़े प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया।

विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि सरकार की योजनाएं गांवों में प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आया है। पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह तथा पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने भी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव और वनवासी समाज के उत्थान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत दो लाभार्थियों को ई-रिक्शा वितरित किए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, अंत्योदय राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना और पीएम सूर्यघर योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय में 3078 की आबादी निवास करती है, जहां प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत कुल 194 आवास निर्मित किए जा चुके हैं। वहीं वनवासी बस्ती में 19 आवास, 9 शौचालय तथा विभिन्न योजनाओं के अनेक लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने आश्वस्त किया कि जो पात्र व्यक्ति अभी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें शीघ्र ही लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में विकास खंड रामपुर को आईएसओ प्रमाणीकरण प्राप्त होने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर बधाई दी गई।

भारतीय ज्ञान परिषद द्वारा एक लाख से अधिक लोगों को एक साथ ऑनलाइन योग कराने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

योग से कुंडलिनी जागृति का अलौकिक ज्ञान संपूर्ण विश्व को भारत की प्रमुख देन, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय ज्ञान परिषद द्वारा देश के समस्त राज्यों को जोड़ते हुए

एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी ऑनलाइन योग अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में भारत के समस्त राज्यों से एक लाख से अधिक प्रतिभागियों ने एक ही समय पर ऑनलाइन माध्यम से योगाभ्यास कर सहभागिता दर्ज कराई। इस आयोजन का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा भारत की प्राचीन योग परंपरा को जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न संस्थाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारतीय ज्ञान परिषद के संयोजक श्रद्धेय आचार्य शिवेंद्र कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, स्वस्थ एवं सकारात्मक बनाने की एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परिषद के प्रमुख श्रद्धेय आचार्य शिवम भूषण ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कलाकार व राज्य ललित कला अकादमी संस्कृत विभाग उत्तर प्रदेश के सदस्य कला-आचार्य रवीन्द्र कुशवाहा ने विश्व योग दिवस पर बताया कि भारतीय योग में कुंडलिनी जागृति का अलौकिक ज्ञान संपूर्ण विश्व को भारतीय योग की प्रमुख देन है उन्होंने अपनी विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग योगा जनता को समर्पित कर जन-जागृति का आवाहन किया तथा मीडिया को भी अपनी पेंटिंग समर्पित की। भारतीय ज्ञान परिषद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मदरसे पहुंचे पूर्व गृह राज्य मंत्री, बोले- उर्दू लोकतंत्र को खूबसूरत बनाने वाली भाषा

पूर्व मंत्री ने कहा हिंदुस्तान की तहजीब और संस्कृति में उर्दू गहना है, जो लोकतंत्र को खूबसूरत बनाती है

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार को पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह अपने निर्धारित दौरे पर शाहगंज के नजीराबाद स्थित मदरसा इदारा महादुल कुरान वल उलमूल अर्सिया पहुंचे और मदरसे के के प्रबंधक मौलाना फैसल से मुलाकात की और आपसी भाईचारे देश मे अमन शांति और क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर चर्चा की।

उसके प्रेस कांफ्रेंस की जिसमे मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने कहा भारत की संस्कृति में उर्दू एक गहना है जो भारत को और खूबसूरत बनाती है एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा की भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास पर काम करती है जिसका लाभ हर वर्ग हर समुदाय को मिलता है।

विपक्षी पार्टियों द्वारा लगाए जा रहे आरोप की मुस्लिम और यादव पर जानबूझ कार्यवाही होती है के सवाल पर उन्होंने शायराना अंदाज में जवाब देते हुए कहा की राहत इंदौरी के शेर की मेरे बीमार होने की अफवाह फैला गयी और लोग पूछ पूछ कर मुझे बीमार कर दिया।

बिहार में कथित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के सवाल पर उन्होंने कहा की ये जांच का विषय है जांच एजेंसियां जांच कर रही है उसपर अभी कोई टिप्पणी नहीं किया जासकता है।आखिर में उन्होंने कहा की मैं यहां किसी पॉलिटिकल मकसद से नही बल्कि आपसी मोहब्बत और प्रेम और भाईचारे में आया हूं।सबको धार्मिक होना चाहिए मगर धर्मान्ध नही।

वही मदरसे के मौलाना फैसल ने कहा की हम आपसी भाईचारे का पैगाम देते हैं।सब मिलजुल रहे गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल है वह हमेशा कायम रहे।और देश मे अमन शांति बनी रहे।

उक्त मौके पर दीवानी अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष तेज बहादुर सिंह, एडवोकेट राजेश यादव, मौलाना अम्मार कासमी, हाफिज इकरमा, हाफिज कासिम, अब्दुल मलिक, खुर्शीद भाई आदि गणमान्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

छेड़खानी व पॉक्सो एक्ट मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना रामपुर पुलिस ने छेड़खानी एवं पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, थाना रामपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 127/2026 में धारा 74, 351(3), 352 बीएनएस तथा 9जी/10 पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त नीरज चौहान पुत्र पप्पू लाल चौहान, निवासी चौहान बस्ती, कस्बा रामपुर, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर को रविवार को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक रामपुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक महंगू यादव, कांस्टेबल दीपक कुमार, कांस्टेबल मनीष कुमार एवं महिला कांस्टेबल रानी सिंह शामिल रहीं। पुलिस के अनुसार मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

दिनदहाड़े भगवती माता मंदिर से चांदी का मुखौटा चोरी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के थानागद्दी बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास भगवती माता मंदिर से अज्ञात चोर दिनदहाड़े माता का चांदी का मुखौटा चुरा ले गए।

घटना की जानकारी मिलने पर बाजारवासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब पांच बजे आसपास की महिलाएं व लड़कियां मंदिर में पूजा-पाठ और दीप जलाने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने देखा कि भगवती माता की मूर्ति का चेहरा बालों से ढका हुआ है। बाल हटाकर देखने पर मूर्ति का चांदी का मुखौटा गायब मिला। बाजारवासियों के अनुसार चोरी गए मुखौटे की कीमत लगभग 30 हजार रुपये है। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी अरविंद पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मंदिर का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं एवं बाजारवासियों से घटना की जानकारी ली तथा जल्द ही चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया। साथ ही मंदिर में नया मुखौटा लगवाने के लिए अपने निजी स्तर से पांच हजार रुपये की सहयोग राशि भी प्रदान की। बाजारवासियों ने पुलिस को तहरीर देकर चोरी की घटना के खुलासे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

12 वर्ष से अधिक अवधि से लम्बित दीवानी वाद से सम्बंधित भूमि विवाद/ प्रकरण निस्तारित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसीलदार बदलापुर ने अवगत कराया है कि तहसील बदलापुर अवस्थित राजस्व ग्राम पहितियापुर में जटाशंकर पुत्र राम मूरत व दयाशंकर पुत्र रामसूरत तथा शेषनाथ व भवनाथ पुत्रगण राम शिरोमणि के बीच पुश्तैनी भूमि को लेकर विगत दशकों से विवाद चला रहा था। पक्ष द्वारा सिविल न्यायालय में इस हेतु पूर्व में वाद योजित किया गया था। इस भूमि पर मकान आदि का निर्माण पक्ष नहीं कर पा रहे थे।

जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का निस्तारन कराए जाने का अनुरोध किया गया। सर द्वारा राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर पक्षों में सामंजस्य बैठाकर निस्तारन कराने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी महोदया के आदेश के क्रम में तहसीलदार बदलापुर व थाना प्रभारी, सिंगरामऊ द्वारा संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मौके पर पहुंचकर सम्पूर्ण प्रकरण का सिलसिलेवार परीक्षण किया गया। सभी पक्षों को क्रम से सुना गया। पक्ष वार्ता करने पर सहमति से प्रकरण के निस्तारन हेतु तैयार हो गए।

तत्काल राजस्व टीम द्वारा मौके पर उपलब्ध सम्पूर्ण भू रकबे की पैमाइश की। पैमाइश उपरांत सभी पक्षों को सम्मिलित कर उनका पारीवारिक सेजरा बनाया गया। सेजरे के अनुसार अंश निर्धारित कर सभी का वाजिब हक का रकबा अलग-अलग चिह्नित किया गया। चिह्नित रकबे के अनुरूप पक्षों द्वारा पिलर आदि गड़वाकर नींव का कार्य भी शुरू करवा दिया गया। सभी पक्षों द्वारा इस लंबे विवाद के निस्तारन हो जाने पर खुशी जाहिर की व उपस्थित राजस्व व पुलिस टीम को धन्यवाद दिया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला, पति व सास पर मुकदमा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर पर चंदवक पुलिस ने पति और सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गाजीपुर जनपद के खानपुर थाना क्षेत्र के खिरौना गांव निवासी ऋषु यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी शादी 23 अप्रैल 2024 को चंदवक थाना क्षेत्र के घुट्टा गांव निवासी मुकेश कुमार यादव के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। विवाह के बाद से ही पति मुकेश कुमार यादव और सास सुशीला यादव दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। पीड़िता का आरोप है कि 10 जून 2026 को सुबह करीब नौ बजे पति और सास ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। कई बार मायके पक्ष के लोगों ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपितों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति और सास के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उपनिरीक्षक देव कुमार चौबे को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

भाजपा का प्रतिनिधि मंडल विद्युत समस्या को लेकर मुख्य अभियंता से मिला

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश मिश्रा गुड्डू भाजपा के प्रतिनिधि मण्डल के साथ आजमगढ़ जनपद में एवं आजमगढ़ नगर में विगत 2-3 दिनों से आ रही विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता के कार्यालय में मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता प्रथम, सहायक अभियंता, नगर के अवर अभियंतायों से वार्ता कर। विद्युत आपूर्ति से सम्बंधित सभी समस्यायों से अवगत कराया। मुख्य अभियंता ने आश्वासन दिया की जल्द से जल्द विद्युत व्यवस्था सही हो जाएगी एवं जर्जर तारों, केबलो का आगणन बनाकर कार्यवाही की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री पवन सिंह मुन्ना, जिला उपाध्यक्ष अवनीश मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष मृगांक शेखर सिन्हा, मंडल अध्यक्ष शशिकांत विश्वकर्मा, बाबू राम चौहान, नगर महामंत्री नीरज सिंह, सभासद अवनीश चतुर्वेदी, सभासद पुरुषोत्तम सिंह, अभिषेक गुप्ता मुंशी निषाद एवम समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लद्दाख के किसानों और आम जनता की समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार को ज्ञापन देगा भारत किसान यूनियन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने लद्दाख क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लद्दाख आज भी मूलभूत सुविधाओं और विकास संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है।

प्रेस वार्ता में अरशद खान ने कहा कि लद्दाख में ऑक्सीजन की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, जल संकट, सीमित कृषि योग्य भूमि, बागवानी क्षेत्र की समस्याएं, पशुपालकों की कठिनाइयां, बेरोजगारी, पलायन, सड़क एवं संचार व्यवस्था की कमजोर स्थिति जैसी कई गंभीर समस्याएं हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से भविष्य में पेयजल और कृषि पर भी संकट गहराने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसान, बागवान, भेड़-बकरी एवं याक पालक पर्याप्त सरकारी सहायता और बाजार सुविधाओं के अभाव में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वहीं युवाओं के लिए रोजगार

के अवसर सीमित होने से पलायन बढ़ रहा है।

भारत किसान यूनियन ने केंद्र सरकार से लद्दाख के लिए विशेष 'ग्रीन लद्दाख मिशन' शुरू करने, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, ऑक्सीजन पार्क और स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने, कृत्रिम ग्लेशियर एवं जल संरक्षण परियोजनाएं विकसित करने, किसानों के लिए विशेष पर्वतीय कृषि पैकेज लागू करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने की मांग की है।

इसके अलावा फल उत्पादकों के लिए कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग यूनिट, पशुपालकों को विशेष सब्सिडी और बीमा, स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन, बेहतर सड़क और इंटरनेट सुविधा, मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना की भी मांग की गई है।

अरशद खान ने कहा कि लद्दाख देश की सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और सामरिक धरोहर है। क्षेत्र के किसानों, बागवानों, पशुपालकों और आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर इसे देश के सबसे समृद्ध और आत्मनिर्भर क्षेत्रों में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत किसान यूनियन जल्द ही इन मांगों को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन भी करेगी।

BPSC परीक्षा में एहतेशाम खान ने हासिल की 23वीं रैंक, क्षेत्र में खुशी की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद गाजीपुर भांवरकोल क्षेत्र के फखनपुरा गांव निवासी एहतेशाम खान ने बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) द्वारा आयोजित नगर पालिका कार्यपालक पदाधिकारी परीक्षा में 23वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के इलाके में खुशी का माहौल है।

एहतेशाम खान ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के एक निजी विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय विद्यालय पुराना कैंट, प्रयागराज से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी की। स्नातक की पढ़ाई उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से की। उच्च शिक्षा के बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की और लगातार मेहनत करते रहे।

उनकी सफलता के पीछे उनके पिता एकराम खान, जो भारतीय सेना में जवान हैं, का विशेष योगदान रहा। उन्होंने हर कदम पर बेटे का मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया। 20 जून को परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद चयन सूची में नाम आने की खबर मिलते ही परिवार और क्षेत्रवासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

एहतेशाम खान ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार के सहयोग को देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम के साथ परिवार का समर्थन किसी भी लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सफलता की खबर मिलते ही उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने मिठाई खिलाकर उनकी उपलब्धि का जश्न मनाया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

शोक संतप्त परिवार से मिलकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने व्यक्त की संवेदना, आर्थिक सहायता की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा जफराबाद क्षेत्र के ग्राम पनिहारियां नहोरा में हाल ही में नदी में डूबने से दो मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत तथा एक बच्ची के उपचाररत होने की घटना के बाद कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विधानसभा जफराबाद प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष डॉ. संतोष गिरी ने किया।

प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस अपूरणीय क्षति पर दुख जताते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवार को तत्काल समुचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा उन्हें आवश्यक सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उपचाररत बच्ची के बेहतर इलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने दिवंगत बच्चियों की आत्मा की शांति तथा उपचाररत बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की।

इस अवसर पर डॉ. संतोष गिरी, विनय तिवारी, कृष्ण चंद्र निषाद, बेलाल अहमद, विजय प्रजापति, राम सिंह बांकुरे, हरदीप सिंह सोनू, चंद्रशेखर निषाद, डॉ. अमित प्रकाश, डॉ. दयाशंकर पटेल, संदीप निषाद, आशीष यादव, अनिरुद्ध सिंह पटेल, फूलचंद बेनबंशी, डॉ. चंद्रबली सिंह सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयरामपुर पीएचसी में स्टाफ तैनाती की मांग, डीएम को ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना ने बरसठी क्षेत्र के जयरामपुर गांव स्तिथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में चिकित्सकीय व अन्य कर्मचारियों की तैनाती कर अस्पताल का नियमित संचालन शुरू कराने की मांग को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अस्पताल में चिकित्सक, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, वार्ड बॉय और चौकीदार की नियुक्ति के साथ आवश्यक चिकित्सा उपकरण व बेड उपलब्ध कराने की मांग की।

अन्ना ने ज्ञापन में कहा कि करीब 20 वर्षों तक विवादों में रहने के बाद अस्पताल भवन की मरम्मत हो चुकी है और वह संचालन के लिए तैयार है, लेकिन स्टाफ के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में एक छोटे कमरे से संचालित पीएचसी को बंद कर वहां तैनात कर्मचारियों का स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, सीएमओ की अनुपस्थिति में डिप्टी सीएमओ को भी ज्ञापन सौंपा गया। अन्ना ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पीएचसी का नियमित संचालन शुरू नहीं कराया गया तो जनहित में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

पिता-पुत्र के घरेलू विवाद ने लिया खूनी रूप, 52 वर्षीय पिता श्रीनाथ की दर्दनाक मौत

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के पकरी गांव में रविवार देर रात एक घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें बेटे के कथित हमले से पिता की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई, जबकि पुलिस ने आरोपी पुत्र को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पकरी गांव निवासी 52 वर्षीय श्रीनाथ और उनके 25 वर्षीय पुत्र सोनू के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान सोनू ने अपने पिता श्रीनाथ के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से श्रीनाथ मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। घटना के बाद परिजन घायल श्रीनाथ को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंढमगंज लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. सतेंद्र ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही विंढमगंज पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। वहीं आरोपी पुत्र सोनू को हिरासत में लेकर थाने लाया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बहला-फुसलाकर युवती को ले जाने का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच,परिजनों की तहरीर पर जांच शुरू,नामजद युवक की तलाश तेज

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली शाहगंज क्षेत्र के एक गांव से 20 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, युवती 20 जून 2026 को दोपहर लगभग दो बजे घर से निकली थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद परिजनों ने कोतवाली शाहगंज में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर में गांव के निवासी अजय कुमार को नामजद करते हुए आरोप लगाया गया है कि वह युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पांडेय को सौंपी गई है। युवती की तलाश के साथ-साथ नामजद युवक की खोजबीन भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी: छोटे भाई पर बड़े भाई, भाभी और मासूम भतीजे की हत्या का आरोप

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। बांसगांव थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए ट्रिपल मर्डर ने पूरे इलाके को दहला दिया। एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या के मामले में 16 वर्षीय किशोर पर अपने बड़े भाई, भाभी और तीन वर्षीय भतीजे की धारदार हथियार से हत्या करने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार, अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना गुप्ता और तीन वर्षीय पुत्र रेयान रविवार रात अपने घर के एक कमरे में सो रहे थे। देर रात करीब तीन बजे आरोपी ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात इतनी अचानक और भयावह थी कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक Kaustubh, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी Dinesh Kumar Puri समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ ही परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। मृतक के पिता की तहरीर पर बांसगांव थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है। एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह हत्या की वजह प्रतीत हो रही है, हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की तह तक पहुंचने में जुटी हुई है।

चंदवक में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकला

डोभी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर पर चंदवक पुलिस ने पति और सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजीपुर जनपद के खानपुर थाना क्षेत्र के खिरौना गांव निवासी ऋषु यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी शादी 23 अप्रैल 2024 को चंदवक थाना क्षेत्र के घुट्टा गांव निवासी मुकेश यादव के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। विवाह के बाद से ही पति मुकेश यादव और सास सुशीला यादव दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि बीते 10 जून को सुबह करीब 9 बजे पति और सास ने उसके साथ मारपीट की जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। कई बार मायके पक्ष के लोगों ने समझाने का प्रयास किया लेकिन आरोपियों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति मुकेश यादव और सास सुशीला यादव के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उपनिरीक्षक देव चौबे मामले की जांच कर रहे हैं।

अग्निकांड पर मुख्यमंत्री योगी सख्त, 14 मौतों की पुष्टि; दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

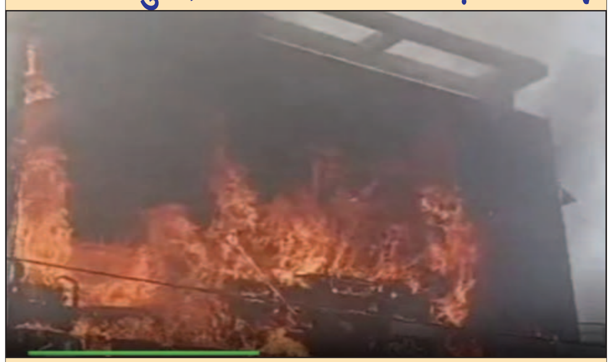

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अलीगढ़ के सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं और स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद तथा उपमुख्यमंत्री मौके पर पहुंच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को घटना से जुड़ी हर पल की जानकारी दी जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं भी घटनास्थल का दौरा करेंगे। अग्निकांड के बाद भवन को जारी की गई एनओसी को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। प्रारंभिक स्तर पर यह चर्चा है कि भवन में पर्याप्त निकासी मार्ग नहीं होने के बावजूद एनओसी कैसे जारी की गई। इस मामले में एलडीए, फायर विभाग और स्थानीय प्रशासन की भूमिका जांच के दायरे में आ गई है। सूत्रों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई घायल हैं। घायलों का इलाज केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है। प्रशासन ने बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मौके पर अभी भी धुआं भरा होने के कारण राहत एवं बचाव दलों द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है। फायर ब्रिगेड, पुलिस और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

योग और फिजियोथेरेपी के समन्वय से स्वस्थ जीवन का संदेश, विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पटना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एल.एस. मेमोरियल हेल्थ केयर एंड वेलनेस सेंटर, मोहनिया द्वारा निःशुल्क विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योग और आधुनिक फिजियोथेरेपी के महत्व को समझा तथा स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि योग और फिजियोथेरेपी दोनों मिलकर शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। योग शरीर और मन के संतुलन, लचीलापन, श्वास नियंत्रण तथा मानसिक शांति प्रदान करता है। वहीं फिजियोथेरेपी दर्द, चोट, लकवा, जोड़ों की समस्या, सर्वाइकल, कमर दर्द तथा ऑपरेशन के बाद पुनर्वास में प्रभावी उपचार के रूप में काम करती है। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को सही शारीरिक मुद्रा, रीढ़ की देखभाल, श्वास संबंधी व्यायाम, जोड़ों के व्यायाम और दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली स्वस्थ आदतों की जानकारी दी गई। डॉ. संदीप कुमार (पीटी) ने कहा कि योग और फिजियोथेरेपी का समन्वय दवाओं पर निर्भरता कम कर दर्द से राहत दिलाने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में सहायक है।

आदित्य ठाकरे के जन्मदिन पर हुआ मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मुंबई। युवा सेना प्रमुख वरली मुंबई के आमदार आदित्य ठाकरे के जन्मदिन के शुभ अवसर पर शिवसेना शाखा क्रमांक 196 के तत्वावधान में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार 21 जून 2026 को प्रेम नगर वरली नाका में किया गया।उक्त शिविर आयोजन शिवसेना विभाग प्रमुख आशिष चेंबुरकर,प्रभाग समिति अध्यक्षा एवं नगरसेविका श्रीमती पद्मजा आशिष चेंबुरकर की उपस्थिति में शाखा प्रमुख जिवबा केसरकर,शाखा समन्वयक संतोष जाधव, महिला शाखा समन्वयक जोनी तोडवलकर एवं सर्व उपशाखा प्रमुख, महीला संगठक व शिव सैनिक की निगरानी में किया गया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी-दक्षिण स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेंद्र मोहिते के मार्गदर्शन एवं डॉ मनीष सार्दुल, डॉ अमोल दर्रोई, डॉ मधुरा दलवी, डॉ पूजा अग्रवाल, डॉ कमर सैय्यद,डॉ युक्ता सावंत,समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे के सराहनीय सहयोग से शिविर संपन्न हुआ। मुफ्त स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में संनिरिक्षण निरिक्षक सुनील मोरे, अन्वेषक विनय कुमार शर्मा, रविन्द्र पाटील के साथ सासमीरा स्वास्थ्य केंद्र की परिचायिकाओं में लता परदेशी,माया केदार, समन्वयक मारुती पाटील, पूजा गरहाने,माया अम्भोरे, प्रियंका कदम,रेश्मा जोशी तथा नायर हास्पीटल के विशेषज्ञ डाक्टर व लायंस क्लब से डाक्टर सुनील गुप्ता,नर्स निकिता जाधव,शिफा शेख, खुशबू खान,रुपा, अलफिया आदि का भरपूर सहयोग रहा। उक्त कार्यक्रम में ब्लडप्रेशर,सुगर,सर्दी-जुकाम, बुखार,एक्स-रे,नेत्र जांच व चश्मा वितरण,रक्त जांच व उपचार की समुचित व्यवस्था रखी गई थी जिसका लाभ सैकड़ों नागरिकों ने लिया।अंत में शिवसेना शाखा प्रमुख आशिष चेंबुरकर व नगरसेविका श्रीमती पद्मजा आशिष चेंबुरकर ने उपस्थित सभी महानगरपालिका अधिकारियों, सहयोगी कर्मचारियों का सम्मान पुष्पगुच्छ देकर किया गया।

दांतों की सफाई में लापरवाही, पड़ सकती है बहुत भारी: डॉ दीपक यादव

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित ओसवाल नगरी में लोकप्राईस के पास ओस्तवाल डेंटल क्लीनिक के प्रमुख दंत विशेषज्ञ डॉ. दीपक यादव ने बताया कि विशेष ओरल हेल्थ विश्लेषण से पता चलता है की अक्सर लोग दांतों के डॉक्टर के पास तभी लोग जाते हैं जब दर्द असहनीय हो जाता है, लेकिन डॉ दीपक यादव इसे एक बड़ी गलती मानते हैं। दांतों की अधिकांश समस्याएं, जैसे कैविटी और मसूड़ों की बीमारी, बिना किसी दर्द के शुरू होती हैं। इसी वजह से लोग इनकी सफाई और देखभाल को नजर अंदाज करते रहते हैं। यह लापरवाही मामूली समस्या को भविष्य में एक गंभीर और बड़े नुकसान में बदल देती है, जिसका पता व्यक्ति को तब चलता है जब स्थिति काफी बिगड़ चुकी होती है। लापरवाही का यह सिलसिला तब शुरू होता है जब हम रोजाना ठीक से दांत साफ नहीं करते। दांतों पर जमने वाली परत (प्लाक) कुछ ही दिनों में सख्त होकर 'टार्टर' बन जाती है, जिसे साधारण ब्रशिंग से नहीं हटाया जा सकता। यही परत मसूड़ों में सूजन और दांतों की सड़न का मुख्य कारण बनता है । उन्होंने ने बताया कि मेरे क्लीनिक में आए हुए सभी दांत मरीजों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान दिया जाता है। हमारा भरकस प्रयास रहता है की दांतों का इलाज कम से कम शुल्क में लोगों का सेवा किया जाए ऐसे व्यक्तियों के दांत का प्रत्यारोपण करना है तो हम कम से कम रुपए में करते हैं । हमारा पूरा प्रयास रहता है कि हमारे यहां से कोई भी व्यक्ति वापस न जाए पैसे कमाने के साथ-साथ लोगों की दुआ की भी जरूरत पड़ती है । डॉ दीपक यादव लोगों सलाह देते हैं कि दांतों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। जिससे दंत रोग से निजात पा सकें।

अपग्रेड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी और एडीवायपीयू ने इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड बी.टेक प्रोग्राम किया शुरू

ठाणे / नवी मुंबई। अपग्रेड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी (यूजीएसओटी) और अजींक्य डीवाय पाटील यूनिवर्सिटी (एडीवायपीयू) ने मिलकर चार वर्षीय आवासीय बी.टेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम को छात्रों को यूजीसी मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआय) और आधुनिक तकनीकों से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी देने के लिए तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक इंजीनियरिंग शिक्षा और एआई आधारित उद्योगों की तेजी से बदलती जरूरतों के बीच बढ़ते अंतर को कम करना है। इसका पहला बैच अगस्तझ्रसितंबर 2026 में शुरू होने वाला है। किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड (सीबीएसई, आईसीएसई या स्टेट बोर्ड्स) से 12वीं कक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) विषयों के साथ कम से कम 50% अंक प्राप्त करने वाले छात्र इसमें प्रवेश ले सकेंगे। इस सहयोग के अंतर्गत अजींक?य डीवाय पाटील यूनिवर्सिटी छात्रों को कैंपस, रहने की सुविधा और बी.टेक डिग्री उपलब्ध कराएगी। वहीं यूजीएसओटी उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार पाठ्यक्रम, तकनीकी विशेषज्ञों की कक्षाएं और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा उपलब्ध कराएगी। पाठ्यक्रम को हर छह महीने में अपडेट किया जाएगा और छात्रों को पहले सेमेस्टर से ही कोडिंग तथा प्रोडक्ट डेवलपमेंट का अनुभव मिलेगा। साथ ही उन्हें स्टार्टअप संस्थापकों, वरिष्ठ कॉर्पोरेट अधिकारियों और उद्योग विशेषज्ञों से नियमित रूप से बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा। अजींक्य डीवाय पाटील ग्रुप के चेयरमैन और अजींक्य डीवाय पाटील यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अजींक्य डी. वाई. पाटिल ने इस साझेदारी पर कहा, अजींक्य डी. वाई. पाटिल समूह का हमेशा से मानना रहा है कि शिक्षा को समय और भविष्य की बदलती जरूरतों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यह साझेदारी छात्रों को डिग्री के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल भी प्रदान करेगी। अपग्रेड स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के सीईओ विश्वा मोहन ने कहा, भारत में इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की कमी नहीं रही है, लेकिन ऐसी इंजीनियरिंग शिक्षा की कमी जरूर रही है जो उद्योग की बदलती जरूरतों के साथ कदम मिला सके। एडीवायपीयू के साथ यह साझेदारी इसी अंतर को कम करने के लिए की गई है। इसके तहत छात्रों को मान्यता प्राप्त डिग्री, बेहतर कैंपस अनुभव और ऐसे व्यावहारिक कौशल मिलेंगे, जिनकी कंपनियां शुरूआत से ही मांग करती हैं। हम इसी मॉडल को अपने सभी साझेदार विश्वविद्यालयों में आगे बढ़ा रहे हैं।

जन्मदिन की पार्टी में खूनी विवाद, युवक की पीट-पीटकर हत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के मई गांव में जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। सोमवार दोपहर हुई इस घटना में 20 वर्षीय सुमित कुमार सिंह की बल्ली से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, बदलापुर थाना क्षेत्र के देवरिया (लेदुका) गांव निवासी सुमित कुमार सिंह बाइक बनवाने के लिए मई गांव आए थे। बाइक ठीक कराने के बाद लौटते समय वह दरियावगंज रोड स्थित नहर के पास चल रही जन्मदिन की पार्टी में रुक गए। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनका कुछ युवकों से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि शिवम, शनि समेत आधा दर्जन युवकों ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त बल्ली से सुमित पर हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोट लगने से वह बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौपेड़वा पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, सीओ सदर परमानंद कुशवाहा, सीओ बदलापुर सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक पक्ष की तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

हंगामा ओटीटी लेकर आया 'पर्सनल ट्रेनर 2' महत्वाकांक्षा, चाहत और खतरनाक राज की रोमांचक कहानी

मुंबई। पहले सीजन को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हंगामा ओटीटी ने 18 जून 2026 को अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' लॉन्च कर दी है। मुंबई की ग्लैमरस लेकिन बेहद प्रतिस्पर्धी फिटनेस दुनिया पर आधारित इस सीरीज में टीना दत्ता, आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सस्पेंस, जुनून, ताकत की खींचतान और चौंकाने वाले मोड़ों से भरपूर यह सीरीज दर्शकों को आखिर तक बांधे रखने का वादा करती है। कहानी मुंबई के एक खास और हाई-प्रोफाइल जिम के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां सेलिब्रिटी, इन्फ्लुएंसर और शहर के रसूखदार लोग अपनी पर्सनल लाइफ में वर्कआउट करने आते हैं। चमकते शीशों और फिट बॉडी के पीछे ताकत और प्रभाव की अलग ही बाजी चलती रहती है। यहां महत्वाकांक्षा सिर्फ सपनों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि कई बार आकर्षण एक हथियार बन जाता है और हर मोड़ पर धोखे की आहट सुनाई देती है। बदलते रिश्ते, टूटते भरोसे और बढ़ते दांव कहानी को लगातार रोमांचक बनाते हैं। इस दुनिया में असली ताकत सिर्फ शरीर की नहीं, बल्कि समझदारी, रणनीति और सही समय पर सही कदम उठाने की होती है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए टीना दत्ता ने कहा, नेहा का किरदार मुझे पहली नजर में इसलिए पसंद आया क्योंकि वह कई परतों वाला और पूरी तरह अप्रत्याशित है। वह खुद को एक तरह से पेश करती है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, दर्शकों को उसके कई नए पहलू देखने को मिलते हैं। उसके व्यक्तित्व के अलग-अलग रंगों को समझना और उन्हें पर्दे पर उतारना मेरे लिए बेहद दिलचस्प अनुभव रहा। यह ऐसा किरदार है जो हर पल आपको सोचने पर मजबूर करता है और मुझे लगता है कि दर्शक उसकी कहानी को धीरे-धीरे खुलते हुए देखना पसंद करेंगे।

अपने किरदार के बारे में आकांक्षा पुरी ने कहा, ?माया बेहद महत्वाकांक्षी, निडर और चुनौतियों से कभी पीछे न हटने वाली लड़की है। फिटनेस की दुनिया से जुड़े इस किरदार को निभाना मेरे लिए खास अनुभव रहा क्योंकि इसमें मुझे शारीरिक और भावनात्मक दोनों पहलुओं को दिखाने का मौका मिला। मुझे माया की सबसे खास बात यह लगती है कि वह मजबूत है, लेकिन उसके भीतर कुछ ऐसी कमजोरियां भी हैं जिनकी लोग उम्मीद नहीं करेंगे। 'पर्सनल ट्रेनर 2' में भरपूर ट्विस्ट, ड्रामा और गहरे रिश्ते हैं और मुझे यकीन है कि दर्शक पहले एपिसोड से ही इससे जुड़ जाएंगे।

Re-NEET परीक्षा से वंचित हुईं तीन छात्राएं, व्यवस्था पर उठे सवाल

विदिशा, मध्यप्रदेश (उत्तरशक्ति)। Re-NEET परीक्षा देने पहुंचीं तीन छात्राओं का परीक्षा में शामिल न हो पाना चर्चा का विषय बन गया है। वर्षों की मेहनत और डॉक्टर बनने के सपने संजोए इन छात्राओं की आंखों में उस समय आंसू आ गए, जब वे परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के बावजूद परीक्षा से वंचित रह गईं। परिजनों का आरोप है कि व्यवस्थागत लापरवाही और समुचित जानकारी के अभाव के कारण छात्राएं समय पर परीक्षा प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकीं। परिणामस्वरूप उन्हें परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं मिला। घटना के बाद छात्राओं और उनके परिवारों में गहरा आक्रोश और निराशा देखने को मिली। NEET जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक चूक या अव्यवस्था सीधे तौर पर उनके भविष्य को प्रभावित करती है। इस घटना ने परीक्षा प्रबंधन और व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्राओं के परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई तथा छात्राओं को न्याय दिलाने की मांग की है। वहीं, शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रबंधन को और अधिक संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाना होगा। एक परीक्षा छूटने का दर्द वही समझ सकता है, जिसने किसी सपने को पूरा करने के लिए वर्षों तक संघर्ष किया हो। विदिशा की इन बेटियों के आंसू व्यवस्था की खामियों की ओर इशारा कर रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

योगा डे पर इंदौर ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, 10 हजार लोगों ने एक साथ किया भ्रामरी प्राणायाम

इंदौर(उत्तरशक्ति)। नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित योग मित्र अभियान के अंतर्गत हर साल की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गौपुर चौराहे पर योग का भव्य आयोजन किया गया. महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में इंदौर ने एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित करते हुए एक साथ 10 हजार योग साधकों द्वारा भ्रामरी प्राणायाम कर एशिया बुक रिकॉर्ड बनाया. यह रिकॉर्ड 3 मिनट 19 सेकंड का रहा.इस दौरान कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि ?योग भारत की अमूल्य पूंजी है. भारत के ऋषि-मुनियों ने अपने तप और साधना के माध्यम से इस महान विद्या को प्राप्त किया है. उन्होंने कहा कि लगभग 1 हजार वर्षों की गुलामी के कालखंड में हम अपनी योग परंपरा से दूर हो गए थे, जबकि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन, आत्मा और बुद्धि का एकीकरण है. उन्होंने कहा कि जब मनुष्य योग के वास्तविक स्वरूप को समझ लेता है तो उसका ईश्वर से साक्षात्कार संभव हो जाता है.योग आत्मिक उन्नति का सबसे सरल और प्रभावी मार्ग है. विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का कार्य किया है, जिसके परिणामस्वरूप आज विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जाता है और करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं ।

योग मित्र अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल इंदौर की एक बड़ी उपलब्धि रहा, बल्कि योग के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ. इंदौर द्वारा स्थापित यह विश्व कीर्तिमान शहर के लिए गौरव का विषय बन गया है ।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर देश में नंबर वन 85 वार्डों में 140 स्थान पर 10000 से ज्यादा लोग रोज सुबह योग करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से दुनिया को एक सूत्र में बांधने के लिए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित हुआ. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इंदौर में भ्रामरी प्राणायाम 3 मिनट से ज्यादा समय करके विश्व कीर्तिमान बनाया है, यह कीर्तिमान मैं प्रधानमंत्री को समर्पित करता हूं और इंदौर की जनता को धन्यवाद देता हूं कि आपसी प्रेम सौहार्द और जन भागीदारी का योग जो हम करते हैं । यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

योग कूटनीतिः भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' ने जीता दुनिया का दिल

मुंबई/ नई दिल्ली। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब दुनिया के सामने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का प्रस्ताव रखा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि महज 90 दिनों के भीतर रिकॉर्ड 177 देशों के समर्थन से यह प्रस्ताव पारित हो जाएगा। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं थी, बल्कि यह आधुनिक इतिहास में भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' के सबसे बड़े वैश्विक विस्तार की शुरुआत थी।

विगत 12 वर्षों का सफरनामा गवाह है कि योग अब केवल कुछ संन्यासियों की साधना या फिटनेस स्टूडियो का अभ्यास नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया की एक साझी सांस्कृतिक भाषा बन चुका है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने देश के भीतर इसे जन-जन की जीवनशैली का हिस्सा बनाया, तो वहीं विदेश मंत्रालय और दुनिया भर में फैले भारतीय मिशनों (दूतावास एवं उच्चायोग) ने इसे वैश्विक कूटनीति के एक बेहद अनमोल और प्रभावी औजार में तब्दील कर दिया है।

भारतीय मिशनों की सक्रियता के कारण ही आज पेरिस के एफिल टॉवर के साए में, न्यूयॉर्क के व्यस्त टाइम्स स्क्वायर के चौराहे पर, चीन की महान दीवार पर और अर्जेंटीना के ओलंपिक पार्क में हर साल हजारों विदेशी नागरिक एक सुर में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' (सीवाईपी) का अभ्यास करते दिखते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन हर साल वैश्विक नेताओं और शीर्ष राजनयिकों को एक मंच पर लाकर योग के जरिए शांति और सद्भाव का संदेश देता आ रहा है। यह भारत की उस 'वसुधैव कुटुंबकम' (विश्व एक परिवार है) की भावना का व्यावहारिक प्रदर्शन है, जिसे आज पूरी दुनिया खुले दिल से स्वीकार कर रही है। इन 12 वर्षों में केंद्र सरकार और भारतीय दूतावासों का प्रयास केवल 21 जून के एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रहा। भारतीय मिशनों ने विदेशों में आईसीसीआर के माध्यम से सालभर चलने वाले योग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों में योग पीठ की स्थापना की गई है, जिससे इस प्राचीन विज्ञान को वैज्ञानिक और शैक्षणिक प्रामाणिकता मिली है। संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं में योग नियमों का अनुवाद होने से अब यह दुनिया के कार्यस्थलों और स्वास्थ्य नीतियों का हिस्सा बनता जा रहा है। संक्षेप में कहें तो, इन बीते 12 वर्षों में भारत ने अपनी इस प्राचीन धरोहर को वैश्विक आरोग्य (ग्लोबल वेलनेस) का सबसे बड़ा आंदोलन बना दिया है। आज जब दुनिया मानसिक तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही है, तब दुनिया भर में फैले भारतीय मिशनों के दूरदर्शी प्रयास और भारत की यह 'योग कूटनीति' सरहदों के बंधन को लांघ चुकी है। यह अकाट्य सत्य है कि अपनी इस प्राचीन धरोहर के जरिए भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' ने न केवल वैश्विक आरोग्य को एक नई दिशा दी है, बल्कि पूरी दुनिया का दिल भी जीत लिया है।

बड़ेबाबू सहित चार के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना व धमकी देने का मुकदमा दर्ज

बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली बदलापुर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर संग्राम बालिका इंटर कालेज के बडेबाबू सहित चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना, जालसाजी और जान से मारने की धमकी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। सरोखनपुर गांव निवासी सरल पत्नी स्वर्गीय विपिन वर्मा की तहरीर पर राजेश सिंह निवासी मरगूपुर, विनोद कुमार सिंह व जयमंगल सिंह निवासी अहिरौली तथा उत्तम कुमार निवासी कठार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि अभियुक्त राजेश सिंह संग्राम बालिका इंटर कालेज सरोखनपुर बदलापुर में बडेबाबू के पद पर कार्यरत है ने अपने साथियो संघ साजिश रचकर फर्जी मुहायदानामा और दस्तावेज तैयार कर भूमि से संबंधित लेन-देन में धोखाधड़ी की। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उसके पति को प्रताड़ित किया गया, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी भूमि पर कब्जे और बैनामा कराने का दबाव बनाया तथा विरोध करने पर बच्चों की हत्या कराने की धमकी दी। मामले में पूर्व में पुलिस और उच्च अधिकारियों को भी प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली गई। न्यायालय के निर्देश पर बदलापुर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिवसेना उत्तर भारतीय संघटन की महत्वपूर्ण बैठक नवीन पनवेल में संपन्न

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार 21 जून को नवीन पनवेल में शिवसेना (उत्तर भारतीय संघटन) की एक महत्वपूर्ण बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को अधिक प्रभावी, सक्रिय एवं कार्यप्रणाली आधारित तरीके से आगे बढ़ाने के साथ-साथ संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, सदस्यता वृद्धि तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में हिंदू हृदय सम्राट वंदनीय बालासाहेब ठाकरे जी एवं धर्मवीर आनंद दिघे जी के विचारों को आत्मसात करते हुए तथा माननीय मुख्यमंत्री एवं शिवसेना के लोकप्रिय नेता श्री एकनाथ शिंदे जी के नेतृत्व में संगठन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि ₹जन-जन में शिवसेना, हमारे दिलों में शिवसेना₹ केवल एक नारा नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति, पहचान और संकल्प है।

बैठक में रायगड जिला प्रमुख सी. पी. प्रजापति, रायगड जिला प्रवक्ता अमिता चौहान, विधानसभा प्रमुख उरण दिलीप मिश्रा, करंजाड़े शहर प्रमुख नंदेश मिश्रा, कलंबोली शहर प्रमुख सी. पी. मिश्रा तथा न्यू पनवेल शहर प्रमुख प्रयाग साह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर पापड़ी की 12वीं वर्षगांठ पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने परिवार सहित की पूजा-अर्चना

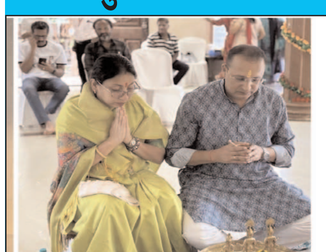

वसई । श्री रामचंद्र देवस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीराम मंदिर की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित परिवार सहित शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने गणेश पूजा, नवग्रह पूजा, मातृका पूजा एवं गृह मंडल पूजा में भाग लेकर विधिवत पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भगवान श्रीराम के चरणों में समाज की सुख-समृद्धि, एकता और सद्भावना के लिए प्रार्थना की। उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता की कामना करते हुए कहा कि श्रीराम के आदर्श समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर एडवोकेट धनंजय चव्हाण, संतोष काकड़, प्रदीप सोनावाला, तेजस प्रताप, नीलेश कराले तथा जयेश शाह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि समाज सेवा, संस्कृति और अध्यात्म की ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहे तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों की विरासत आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती रहे, यही उनकी प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है। धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक बना, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया।

विरार के रानपाड़ा में पाइप गटर निर्माण कार्य का शिलान्यास, विधायक राजन नाईक रहे मौजूद

विरार। बोलिंज रानपाड़ा, विरार वेस्ट स्थित वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड क्रमांक 33 अंतर्गत विजय अपार्टमेंट से मोरया निवास तक पाइप गटर निर्माण के महत्वपूर्ण विकास कार्य का शिलान्यास विधायक राजन नाईक के हाथों उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

इस विकास कार्य के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने में सहायता मिलेगी। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था एवं नागरिकों को उपलब्ध होने वाली मूलभूत सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। स्थानीय निवासियों के दैनिक जीवन को सुगम बनाने वाला यह प्रकल्प क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिलान्यास समारोह में विधायक राजन नाईक के साथ वरिष्ठ नेता हरेंद्रदादा पाटिल, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, बोर्ड अध्यक्ष विशाल राउत, नगरसेविका सान्वी येंडे, नगरसेवक रवि पुरोहित, गौरव राउत तथा जितेश राउत सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए ऐसे विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पाइप गटर निर्माण से जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी और स्थानीय निवासियों को लंबे समय तक इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति के योग गुरु : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिव्याज फाउंडेशन की ओर से डोम, एसव्हीपी स्टेडियम, एनएससीआय, वरली में भव्य योग एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के मंत्रिमंडल मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर दिव्याज फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा व्यक्त भावना का उल्लेख किया। ह्लमेरे जीवन की लेडी लक मेरी प्यारी बेटी दिविजा है,ह्व इस कथन से झलकने वाले पारिवारिक मूल्यों और स्नेह का उन्होंने विशेष उल्लेख किया। उन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए श्रीमती अमृता फडणवीस की पहल से स्थापित दिव्याज फाउंडेशन द्वारा समाज के वंचित वर्गों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों से फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। समाजसेवा, खेल, संगीत, योग और कौशल विकास का समन्वय करते हुए इस संस्था ने सर्वांगीण विकास का एक आदर्श स्थापित किया है। इस वर्ष के योग दिवस कार्यक्रम में विशेष रूप से आत्महत्या प्रभावित किसान परिवारों के ७०० से अधिक बच्चों को शामिल किया गया, जिससे उन्हें सकारात्मकता, आत्मविश्वास और जीवन में नई दिशा मिल सके। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ह्लयोग केवल एक व्यायाम या कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक साधना है जो शरीर, मन और भविष्य को जोड़ती है। भारत की इस अमूल्य परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है।

पीएनबी ने स्वस्थ व समग्र कल्याण पर केंद्रित 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग फॉर हेल्दी एजिंग थीम के साथ मनाया। ।शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित योग सत्रों में भाग लेने के लिए पीएनबी परिवार विभिन्न अंचल, मंडल कार्यालयों और प्रधान कार्यालय में एक साथ आया। योग सत्र का संचालन योग, एक्यूप्रेशर और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. के.के. झा ने किया । इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (MD&CEO) अशोक चंद्र, कार्यकारी निदेशक बिभु प्रसाद महापात्र, अमित कुमार श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर ऑनलाइन रूप से बैंक के सभी अंचल और मंडल कार्यालयों के कर्मचारियों ने भी इस योग सत्र में भाग लिया, जो समग्र कल्याण के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इसमें आसनों, प्राणायाम, ध्यान और रिलैक्सेशन की तकनीकों का मार्गदर्शन दिया गया, जो जीवन के हर पड़ाव पर शक्ति, संतुलन और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इस उत्सव ने शारीरिक जीवन शक्ति को बढ़ाकर, तनाव को कम करके, मानसिक लचीलेपन में सुधार करके और एक संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा देकर स्वस्थ का समर्थन करने वाले एक सदाबहार अभ्यास के रूप में योग के महत्व पर जोर दिया। अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, पीएनबी ने कर्मचारी कल्याण और एक स्वस्थ एवं अधिक उत्पादक कार्यस्थल बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

योग, प्राणायाम और मानसिक जागरूकता को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र ने कहाः ₹ योग विश्व कल्याण के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान है। हर दिन अपने स्वास्थ्य में किया गया एक छोटा सा निवेश भी बड़ा बदलाव ला सकता है। बस 30 मिनट की सैर, उसके बाद 15-20 मिनट का योग और कुछ मिनटों का ध्यानपूर्वक सांस लेना शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शांति का निर्माण करता है। योग केवल व्यायाम का एक रूप नहीं है, यह शरीर को मजबूत बनाता है, दिमाग को तेज करता है और चेतना को ऊपर उठाता है। पीएनबी में, हमारा मानना है कि कर्मचारियों का कल्याण ही संगठनात्मक उत्कृष्टता की कुंजी है, और योग को जीवन जीने के तरीके के रूप में अपनाकर, हम एक स्वस्थ, अधिक उत्पादक और मजबूत समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इनाल्सा ने नया स्टीलशेफ DW5.5 एयर फ्रायर लॉन्च किया

मुंबई। भारत के प्रमुख होम अप्लायंसेज ब्रांड्स में से एक इनाल्सा ने अपने नए स्टीलशेफ DW5.5 एयर फ्रायर के लॉन्च की घोषणा की है। इसकी कीमत 13,999 रुपये है, जबकि यह फिलहाल विशेष रूप से अमेजन पर 5,999 रुपये की लॉन्च कीमत पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को 60 प्रतिशत तक की बचत हो रही है। जैसे-जैसे उपभोक्ता रोजमर्रा के खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं, स्टेनलेस स्टील भारतीय किचनों में एक भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है। अपनी टिकाऊपन और परिचित उपयोग के कारण यह मटीरियल अब अप्लायंसेज की चयन को भी प्रभावित कर रहा है, और अधिक लोग ऐसे उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं जिनमें स्टेनलेस स्टील का उपयोग हो। न्यूट्रि फ्राई डुओस्लिम की कामयाबी के बाद, इनाल्सा ने इस नए स्टीलशेफ DW5.5 को बाजार में उतारकर अपने एयर फ्रायर पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। यह मॉडल सामग्री के स्तर पर एक अहम बदलाव पेश करता है। इस एयर फ्रायर की क्षमता 5.5 लीटर है, जो एक परिवार के रोज के खाने के लिए बिल्कुल सही है। यह 1600ह के हीटिंग सिस्टम पर काम करता है और इसमें कुकिंग के 8 अलग-अलग फंक्शन दिए गए हैं, जिनमें फ्राइंग, बेकिंग, ग्रिलिंग और रोस्टिंग शामिल हैं। इन मोड्स की मदद से पारंपरिक तरीके की तुलना में बेहद कम तेल का इस्तेमाल करके कई तरह के व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। बेहतर कुकिंग कंट्रोल के लिए, इसमें 80°C से 200°C तक तापमान सेट करने और 60 मिनट तक का टाइमर लगाने की सुविधा दी गई है। इस अप्लायंस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें खाना पकाने के पैन और सभी संपर्क क्षेत्रों में रर304 फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील और स्टेनलेस स्टील सेपरेटर्स का इस्तेमाल किया गया है। इसका मतलब है कि खाना पकाने के दौरान भोजन जिन सतहों के संपर्क में आता है, वह उसी सुरक्षित मटीरियल से बनी है जिसका इस्तेमाल सालों से भारतीय किचन में होता आया है। कोटिंग वाली सतहों के साथ अक्सर लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर टिकाऊपन और सुरक्षा की चिंता बनी रहती है, लेकिन रर304 स्टेनलेस स्टील बार-बार इस्तेमाल करने पर भी अपनी गुणवत्ता बनाए रखता है। यह रोज का खाना बनाने के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प है।

विकास भवन जौनपुर को मिला ISO 9001:2015 प्रमाणन, गुणवत्ता आधारित सेवाओं को मिली नई पहचान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में विकास भवन को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (Quality Management System) के अंतरराष्ट्रीय मानक ISO 9001:2015 के अनुरूप कार्य करने हेतु प्रमाणित किया गया है। स्वतंत्र मूल्यांकन संस्था द्वारा किए गए विस्तृत निरीक्षण एवं आकलन के बाद विकास भवन को यह प्रतिष्ठित प्रमाणन प्रदान किया गया। यह प्रमाणन विकास भवन में संचालित प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता, दक्षता तथा जनसेवाओं के सतत सुधार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ISO 9001:2015 प्रमाणन मिलने से यह सुनिश्चित होगा कि विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचें। इस अवसर पर जिलाधिकारी Samuel Paul N. ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि जनपद प्रशासन की बेहतर कार्य संस्कृति, सुशासन और गुणवत्ता आधारित सेवा प्रदायगी के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने तथा जनहितकारी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी Dhruv Khadia ने भी इस उपलब्धि को विकास भवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के मानकों का पालन करते हुए जनपद के विकास कार्यों को और अधिक गति, पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता प्रदान की जाएगी। यह प्रमाणन विकास भवन जौनपुर के लिए न केवल एक सम्मान है, बल्कि जनसेवाओं में उत्कृष्टता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी माना जा रहा है।